हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 3 दिसंबर 2024 | अंक 51 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

EXCLUSIVE WEDDING COLLECTION
•LACHA•BANARASI•LEHENGA
•DESIGNER • FANCY WORK
वैशाली लाछा अँन्ड सारिज़
लाछा और साडीयों की महारानी
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर. | समय: 10.00 से 7.30
9529081789, 9325112561 | रविवार बंद

फिर टल गई महायुति की बैठक

एकनाथ शिंदे की बीमारी बनी वजह! | एनसीपी प्रमुख अजित पवार दिल्ली हुए रवाना

मुंबई।

एकनाथ शिंदे रविवार शाम को सतारा स्थित अपने गांव से लौटे थे। इसके बाद कहा जा रहा था कि सोमवार को एकनाथ शिंदे, अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस की मीटिंग होगी, जिसमें सरकार बनाने के फॉर्मूले पर आखिरी मुहर लग सकती है। इस बीच एकनाथ शिंदे ने एक बार फिर से अपनी सारी बैठकों को रद्द कर दिया है। उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि शिंदे को अब भी बुखार है। वह सोमवार को ही अपने विधायकों से भी मीटिंग करने वाले थे, लेकिन इसे भी टाल दिया गया है। शिंदे का कहना है कि वह अब भी फीवर से पीड़ित हैं। फिर भी यह सवाल उठ ही रहे हैं कि क्या वह कोई दबाव की रणनीति चल रहे हैं और इसके चलते ही मीटिंग्स टाल रहे हैं?

इस बीच एनसीपी प्रमुख अजित पवार दिल्ली जा पहुंचे हैं। सीएम का नाम तय करने में हो रही देरी और शिंदे के बीमार होने के बीच ऐसा कहा जा रहा है कि अजित पवार भी नाराज हैं। खबरों की मानें तो अजित पवार दिल्ली में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे साथ ही वो अमित शाह से मिलने भी जा सकते हैं। अजित पवार के साथ सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी दिल्ली रवाना हुए हैं हैं। वहीं भाजपा की ओर से 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज हैं।

मुख्यमंत्री के ऐलान को लेकर हो रही देरी महायुति में सबकुछ ठीक नहीं होने का इशारा कर रही है। वहीं गठबंधन के नेता हम सब एकसाथ है का दावा करते हैं। अजित पवार के दिल्ली जाने को लेकर अब एक और नई चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि भाजपा विधायक दल की मीटिंग अब तक नहीं हो सकी है। फिलहाल इस बात का इंतजार ही हो रहा है कि भाजपा किस नेता को सीएम के तौर पर आगे बढ़ाएगी। बता दें कि एकनाथ शिंदे को लेकर दावा किया जा रहा है कि वह होम मिनिस्ट्री के लिए अड़े हुए हैं और इसके लिए दबाव बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि आज बुधवार को भाजपा के विधायक दल की बैठक होगी जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

बीजेपी ने नियुक्त किया पर्यवेक्षक

भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में पार्टी विधायक दल के नेता चुनने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने महाराष्ट्र में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

सीएम पर अभी भी सस्पेंस बरकरार

हालांकि, अभी तक इस बात की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है कि मुख्यमंत्री कौन होगा? लेकिन भाजपा सूत्रों ने बताया कि दो बार के मुख्यमंत्री एवं पूर्ववर्ती एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे देवेंद्र फडणवीस इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। भाजपा 132 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी जबकि शिवसेना ने 57 और राकांपा ने 41 सीट जीतीं। लेकिन, सरकार के गठन में देरी हो रही है क्योंकि गठबंधन इस बात पर आम सहमति नहीं बना पाया है कि मुख्यमंत्री कौन होगा?

खबरें! एक नजर में!!

पीएम मोदी ने देखी 'द साबरमती रिपोर्ट'

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखी। संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। फिल्म देखने गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री-सांसद और एक्टर्स भी पहुंचे थे। विक्रांत मैसी स्टारर 'द साबरमती रिपोर्ट' 15 नवंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 7 मिनट है। स्क्रीनिंग के बाद पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म के मेकर्स की तारीफ की।

कल मनाया जाएगा भारतीय नौसेना दिवस

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2024 को पुरी, ओडिशा के खूबसूरत ब्लू फ्लैग बीच पर नौसेना दिवस 2024 के अवसर पर एक रोमांचक प्रदर्शन करेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में 15 युद्धपोत, 40 से अधिक विमान, पनडुब्बियां और मरीन कमांडो (मार्कोज) के साथ भारतीय सेना के कर्मी और उपकरण भाग लेंगे।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के नए चीफ बने डॉ.जोशी

नई दिल्ली। प्रख्यात मिसाइल वैज्ञानिक डॉ.जयतीर्थ राघवेंद्र जोशी ब्रह्मोस एयरोस्पेस के नए चीफ बन गए हैं। उन्होंने सोमवार को अपना पद ग्रहण किया। उन्होंने अतुल दिनकर राणे का स्थान लिया है। इससे पहले डॉ.जयतीर्थ राघवेंद्र जोशी रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीए) डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, डीआरडीओ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पद पर थे।

नाबालिग छात्र ने खुद को मारी गोली

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रातीबड़ इलाके में स्थित शूटिंग अकादमी में एक नाबालिग छात्र ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार शाम की है. जानकारी के मुताबिक, नाबालिग ने शूटिंग अकादमी में सोफे पर बैठने के बाद बारह बोर की शॉर्ट गन से छाती में गोली मार ली। उसने गन का ट्रिगर पांव से दबाया. हालांकि सुसाइड का कारण फिलहाल अज्ञात है।

26 साल के आईपीएस की हादसे में मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के हासन जिले में अपनी पहली तैनाती को लेकर कार्यभार संभालने जा रहे आईपीएस के एक अधिकारी की दुर्घटना में मौत हो गई। कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्यप्रदेश के रहने वाले थे। उनकी उम्र 26 साल की थी। दुर्घटना रविवार शाम की है जब हासन तालुक के किट्टाने के निकट पुलिस वाहन का टायर फट गया, जिसके बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे एक घर और पेड़ से टकरा गया।

बाबा बागेश्वर को हत्या की धमकी

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आए दिन अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बयान में हरिहर मंदिर का जिक्र किया था, जिसका गलत अर्थ निकालते हुए पंजाब के एक कट्टरपंथी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। वहीं बाबा बागेश्वर ने इस मामले पर प्रतिक्रिय देते हुए कहा है कि मेरी बातों के अर्थ का अनर्थ ना निकालें।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में मोदी के 'प्रगति-कार्य' की तारीफ

नई दिल्ली।

दुनिया के मशहूर विश्वविद्यालयों में से एक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपने एक अध्ययन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'प्रगति' की तारीफ की है। विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भारत में 201 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाली 340 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनके प्रगति मंच को दिया गया है। इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जो तीन से 20 वर्षों में पूरी होनी थीं। अध्ययन में कहा गया है कि शासन में बदलाव के लिए दुनिया को 'प्रगति' से सीखना चाहिए।

प्रगति यानी 'प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन' एक बहुउद्देश्यीय और बहु-मॉडल प्लेटफॉर्म है। प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 25 मार्च 2015 को प्रगति का शुभारंभ किया था। सरकार के मुताबिक, यह प्रमुख हितधारकों के बीच वास्तविक समय की उपस्थिति और आदान-प्रदान के साथ ई-पारदर्शिता और ई-जवाबदेही लाने के लिए एक मजबूत प्रणाली भी है। यह कार्यक्रम अंतर-विभागीय संवाद अंतराल को कम करके मुद्दों को हल करने में प्रभावी साबित हुआ है, जिससे परियोजनाओं और योजनाओं के कार्यान्वयन में लगने वाला समय न्यूनतम हो गया है। अध्ययन से पता चलता है कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी की पहल ने सरकार की विभिन्न परियोजनाओं की समस्याओं, उनकी निगरानी और समाधान को बदल दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का प्रगति मंच इस बात की एक आकर्षक केस स्टडी है.

बैरिकेडिंग तोड़ बॉर्डर पार की किसानों ने

> फिर एक शर्त पर बनी सहमति

नई दिल्ली।

अपनी मांगों को लेकर सोमवार को दिल्ली कूच को निकले किसान महामाया फ्लाईओवर से दो बैरिकेडिंग तोड़कर दलित प्रेरणा स्थल पर जाकर बैठ गए। रास्ते में पड़ने वाली तीसरी बैरिकेडिंग पार नहीं कर पाए। वहीं, पुलिस और प्राधिकरण अधिकारियों से वार्ता और आश्वासन के बाद दलित प्रेरणा स्थल परिसर में धरने पर बैठ गए। किसानों को राज्य सरकार से वार्ता कराकर समाधान निकालने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया है। उधर, सवा चार बजे के बाद नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की दिल्ली की ओर जाने वाली लेन को खोल दिया गया।

महामाया फ्लाईओवर पर सुबह 9-10 बजे से ही किसानों का पहुंचना शुरू हो गया। दोपहर करीब 12 बजे तक कीरब दो हजार किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली, ट्रक और निजी वाहनों संग एकत्रित हो गए।

आगे नहीं जाने देने पर किसान वहीं बैठ गए। वहां पर नारेबाजी करते हुए दिल्ली कूच कर ऐलान किया। करीब एक बजे तक रुककर उसके बाद किसानों ने बैरिकेडिंग को तोड़ा और आगे बढ़ने लगे।

बताया गया कि दलित प्रेरणा स्थल के पास बनी पहली बैरिकेडिंग पर जाकर रूक गए। वहां पर नारेबाजी करने और पुलिस अधिकारियों से वार्ता करने के बाद एक बजकर 38 मिनट पर बैरिकेडिंग को पार किया। दलित प्रेरणा स्थल के पास बनी दूसरी बैरिकेडिंग पर पहुंचे। यहां पहुंच कर किसानों और पुलिस अधिकारियों के बीच नोकझोंक हुई, लेकिन किसानों को आगे नहीं जाने दिया गया। इससे किसान रास्ते में पड़ने वाली तीसरी बैरिकेडिंग को पार नहीं कर पाए। वहीं पर बैठ गए।

किसानों के इस मोर्चे के कारण सुबह से ही लोगों को दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा को आवागमन करने के लिए परेशानी हुई। लोगों को फेर काटकर धीमी गति के बीच यातायात के बीच से निकलना पड़ा।

तीन किसान नेताओं को छोड़ने की मांग

किसानों ने कूच के दौरान पकड़े तीन किसान नेता सुनील फौजी, अंशुमान ठाकुर व अमन सिंह को छोड़ने की मांग की। किसानों ने महामाया फ्लाईओवर पर रोके किसानों के राशन पानी से भरे ट्रैक्टरों को भी आगे आने पर जोर दिया। उसके बाद पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर प्राधिकरण के अधिकारियों को मौके पर बुलाया। पुलिस और प्राधिकरण अधिकारियों से वार्ता के बाद किसान नेता माने।

8वां टाइगर रिजर्व बना माधव राष्ट्रीय उद्यान

भोपाल। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की तकनीकी समिति ने मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यह मध्यप्रदेश का आठवां बाघ अभयारण्य होगा।

कान्हा, सतपुड़ा, बांधवगढ़, पेंच, संजय दुबरी, पन्ना और वीरांगना दुर्गावती राज्य में मौजूदा बाघ अभयारण्य हैं। अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एल कृष्णमूर्ति ने को बताया, ''एनटीसीए की तकनीकी समिति ने माधव राष्ट्रीय उद्यान को बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसका कुल क्षेत्रफल 1,751 वर्ग किलोमीटर होगा, जिसमें 375 वर्ग किलोमीटर का कोर क्षेत्र और 1,276 वर्ग किलोमीटर का बफर क्षेत्र शामिल है।

'किसी वोटर को दिक्कत न हो'

पोलिंग बूथ पर वोटरों की संख्या बढ़ाने के आदेश के खिलाफ सुको

नई दिल्ली।

विशेष संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रत्येक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 किए जाने पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर यह निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने निर्वाचन आयोग को हलफनामा दाखिल कर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या बढ़ाने के बारे में स्पष्टीकरण देने को कहा है। हालांकि पीठ ने आयोग को फिलहाल नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया।

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल कर यह भी बताने के लिए कहा है कि मतदान केंद्र पर कितने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखे जाते हैं। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा है कि हमारी चिंता इस बात को लेकर है कि मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाने से मतदाता को परेशानी तो नहीं हो रही है। उन्होंने आयोग को अपने हलफनामे में इस बारे में भी स्पष्टीकरण देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने यह आदेश निर्वाचन आयोग के निर्णय को चुनौती देने वाली सामाजिक कार्यकर्ता इंदु प्रकाश सिंह की याचिका पर यह निर्देश दिया है, जिसमें प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 से बढ़ाकर 1500 कर दी गई थी।

चुनाव आयोग की दलील

निर्वाचन आयोग ने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) में मतदाताओं की कुल संख्या बढ़ाते समय राजनीतिक दलों से परामर्श किया जाता है। मतदाताओं को निर्धारित समय के बाद भी वोट डालने की अनुमति दी जाती है। पीठ ने अब जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए इसे 27 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध किया है।

यूक्रेन को परमाणु हथियार नहीं देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने रविवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन को वे परमाणु हथियार लौटाने पर विचार नहीं कर रहा है, जो उसने सोवियत संघ के पतन के बाद छोड़े थे। सुलिवन ने यह टिप्पणी पिछले महीने एक अखबार में लिखे एक लेख के बारे में पूछे जाने पर की जिसमें कहा गया था कि कुछ अज्ञात पश्चिमी अधिकारियों ने सुझाव दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन पद छोड़ने से पहले यूक्रेन को हथियार दे सकते हैं। रूस ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। जैक सुलिवन ने कहा कि, 'इस पर विचार नहीं किया जा रहा है। हम जो कर रहे हैं वह यूक्रेन को विभिन्न पारंपरिक क्षमताएं प्रदान करना है.

सुखबीर बादल को टॉयलेट धोने की सजा

सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने सुनाई सजा

चंडीगढ़। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को साल 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम का पक्ष लेने के लिए गुरुद्वारे में रसोई और वॉशरूम की सफाई की सजा सुनाई है। सुखबीर बादल और साल 2015 में उनके कैबिनेट के सदस्य रहे अकाली दल के नेता आज 3 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से एक बजे तक स्वर्ण मंदिर में शौचालय साफ करेंगे।

इसके बाद स्नान करेंगे और लंगर चलाएंगे। एक घंटा बर्तन साफ करेंगे और एक घंटा गुरबाणी सुनेंगे। साथ ही जूते साफ करने की भी उनको सजा सुनाई गई है। उनके गले में तख्ती डाली जाएगी. अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह की ओर से बुलाई गई पांच सिंह साहिबानों की बैठक के बाद यह धार्मिक सजा सुनाई गई है। दो महीने पहले सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने 'तनखैया' (धार्मिक दुराचार का दोषी) घोषित किया था। सुखबीर सिंह बादल के पैर में चोट लगे होने के कारण वह दरबार साहिब के बाहर चोला डाल कर व्हीलचेयर पर बैठ कर पहरेदारी करेंगे। सुखबीर सिंह बादल को अगस्त में अकाल तख्त द्वारा तनखैया घोषित किया गया था, जब उन्हें 2007 से 2017 तक पंजाब में सत्ता में रहने के दौरान पार्टी द्वारा की गई गलतियों के लिए धार्मिक कदाचार का दोषी ठहराया गया था।

'फखर ए कौम' खिताब लिया गया वापस

सिरसा डेरा को माफी देने के समय प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री थे, इसलिए उनको दिया गया 'फख्र-ए-कौम' खिताब वापस ले लिया गया। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) कार्यसमिति को तीन दिन के भीतर सुखबीर बादल का इस्तीफा स्वीकार करने और अकाल तख्त साहिब को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। जो आरोप सुखबीर सिंह बादल पर लगाए गए, उसे उन्होंने कबूल किया।

भारत की ताकत में होगा इजाफा

जल्द नौसेना के बेड़े में शामिल होंगे 26 राफेल लड़ाकू विमान

नई दिल्ली।

भारत लगातार अपनी तीनों सेनाओं नौसेना, वायु सेना और थल सेना की ताकत में इजाफा कर रहा है। अब भारत नौसेना की ताकत बढ़ाने जा रहा है। जिसके लिए जल्द ही नौसेना के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने जा रहा है। जल्द ही इसपर मुहर लगने का अनुमान है। यही नहीं भारत तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बी की भी डील करने जा रहा है। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इस बारे में सोमवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले महीने (जनवरी) में 26 राफेल लड़ाकू विमानों के साथ तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बी की खरीद के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नौसेना की ताकत में लगातार बढ़ रही है। हम 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो जाएंगे। नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने बताया कि भारत जल्द ही 26 राफेल जेट और तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को अंतिम रूप देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत 62 जहाज और एक पनडुब्बी के निर्माण में लगा हुआ है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि अगले साल यानी 2025 में बड़ी संख्या में जहाज नौसेना में शामिल होने को तैयार हैं, लेकिन कम से कम एक जहाज नौसेना में शामिल हो जाएगा।

इसके साथ ही नौसेना में डीलक्स तकनीक को शामिल करने की कोशिशें भी दो गुनी हो गई हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि, 'हम ऐसा होते हुए देख रहे हैं. हमारा मानना है कि यह प्रशांत महासागर में और अधिक स्पष्ट होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए हम निगरानी कर रहे हैं कि हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे हितों पर इसका कोई असर न पड़े। उन्होंने कहा कि भारत का मिसाइल परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा है। बता दें कि ही हाल ही में आईएनएस अरिघाट से 3500 किमी मारक क्षमता वाली परमाणु सक्षम मिसाइल के-4 का परीक्षण किया था।

चीन-पाक से निपटने को तैयार भारत

वहीं चीन की शह पर पाकिस्तान की ओर से अपनी समुद्री ताकत को बढ़ाने की कोशिशों पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि, भारतीय नौसेना में पड़ोसी देशों से किसी भी संभावित खतरे से निपटने की क्षमता है। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि, हम चीनी नौसेना इकाइयों समेत हिंद महासागर क्षेत्र में सक्रिय अतिरिक्त क्षेत्रीय बलों की गतिविधियों पर भी नजर बनाए हुए हैं।जिसमें युद्धपोत के साथ अनुसंधान पोत भी शामिल हैं।

इंडिया गठबंधन में दिखने लगी दरार!

खड़गे की मीटिंग से टीएमसी का किनारा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने के इरादे से बनाए गए इंडिया गठबंधन में बिखराव देखने को मिल रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र के लिए कई मुद्दों को लेकर विपक्षी गठबंधन में आपसी सहमति नहीं बन पा रही है। एक तरफ जहां कांग्रेस चाहती है कि गौतम अडानी और ईवीएम के मुद्दे को सदन में उठाया जाए तो वहीं कई दल चाहते हैं कि ऐसे मुद्दों को सदन में उछाला जाए, जिसका जनता से सीधा सरोकार हो। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक की बैठक बुलाई, जिसमें साफ तौर पर राहुल गांधी कमान संभाल रहे थे और उन्होंने योजना की रूपरेखा बताई। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बैठक में उपस्थित लोगों से कहा कि 'क्रोनी कैपिटलिज्म और ईवीएम लोगों के मुद्दे हैं।'

वहीं, टीएमसी, समाजवादी पार्टी (एसपी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे सहयोगी दल कांग्रेस के ईवीएम और क्रोनी कैपिटलिज्म के प्रति 'जुनून' को लेकर उत्साहित नहीं हैं। जबकि कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो' की तर्ज पर 'ईवीएम जगाओ यात्रा' की योजना बनाई है और इंडिया ब्लॉक पार्टियों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, उनमें से अधिकांश ने बहुत कम रुचि दिखाई है.

सरकार ने जीएसटी कलेक्शन के जारी किये आंकड़े

> कलेक्शन 8.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली.

साल 2024 के आखिरी महीने दिसंबर का पहला दिन मोदी सरकार के लिए खुशियां लेकर आया। सरकार ने नवंबर महीने में माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा जारी किया है। इन आंकड़ों में पता चला है कि नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 8.5 प्रतिशत बढ़ा है और सरकारी खजाने में 1.82 लाख करोड़ आए हैं। जबकि एक साल पहले इसी अवधि में जीएसटी का यह आंकड़ा 1.68 लाख करोड़ रुपये था।

अगर बात अक्टूबर महीने के जीएसटी कलेक्शन की करें तो सरकार को जीएसटी कलेक्शन से बड़ी रकम मिली थी और ये रिकॉर्ड 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं सितंबर 2024 में महीने में ये आंकड़ा 1.73 लाख करोड़ रुपये था।

नवंबर में डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन से सरकार को ज्यादा रेवेन्यू हासिल हुआ है और इसका असर जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34,141 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,047 करोड़ रुपये, एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये और उपकर 13,253 करोड़ रुपये रहा है।

सरकार ने जुलाई 2017 को देश भर में वस्तु एवं सेवा कर लागू किया गया था। इसे देश में आजादी के बाद से सबसे बड़ा टैक्स सुधार माना जाता है। केंद्र सरकार के मुताबिक, आज से 7 साल पहले लागू जीएसटी ने देश के लोगों पर टैक्स का बोझ कम करने में मदद की है। सरकार ने हाल ही में जीएसटी को लेकर एक ऑफर स्कीम की शुरुआत की है।

21 दिसंबर को होगी जीएसटी काउंसिल की बैठक

जीएसटी काउंसिल की बैठक इसी महीने होनी है। ये काउंसिल की 55वीं बैठक होगी, जो 21 दिसंबर 2024 को राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने और बड़े फैसले होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जल्द जारी हो सकती है पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना भारत सरकार द्वारा किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत किसानों को सालाना ₹6,000 की सहायता राशि दी जाती है, जो तीन किस्तों में (₹2,000 प्रति किस्त) ट्रांसफर की जाती है। लेकिन योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जनवरी 2024 में जारी की जा सकती है। लेकिन अगर किसान भाई ई-केवाईसी नहीं कराते हैं, तो उनकी अगली किस्त रुक सकती है। यह आवश्यक प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि योजना का लाभ केवल पात्र किसानों को ही मिले। अगर आपने फॉर्म में बैंक खाता और आधार नंबर गलत लिखा है, या फिर लैंड सीडिंग नहीं कराई है तो इन परिस्थितियों में भी आपकी 19वीं किस्त अटक सकती है।

शणगार डेकोर का राइट्स इश्यू 6 दिसंबर को बंद होगा

अहमदाबाद.

डेकोर सर्विसीस की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली कंपनी, अहमदाबाद स्थित शणगार डेकोर लिमिटेड (बीएसई-540259) का रु. 49.35 करोड का राइट्स इश्यू 8 नवंबर, 2024 को सदस्यता के लिए खोला गया था। राइट इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताएं, इश्यू के खर्च और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश को निधि देने के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 21 नवंबर, 2024 को 10.08 प्रति शेयर के बंध भाव की तुलना में रु. 5.76 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 06 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। राइट्स एंटाइटेलमेंट के ऑन-मार्केट अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 है। कंपनी के राइट इश्यू में भाग लेने के लिए निवेशक बाजार से राइट्स एंटाइटेलमेंट भी खरीद सकते हैं। कंपनी रु. 5 अंकित मूल्य के 8,56,82,800 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर नकद में रु. 5.76 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर जारी करेगी, जिसका मूल्य कुल मिलाकर रु. 49.35 करोड होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 7:1 पर तय किया गया है (रिकॉर्ड तिथि 28 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 1 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयर के लिए रु. 5 के अंकित मूल्य के 7

राइट्स इक्विटी शेयर)। राइट्स एंटाइटेलमेंट के ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 है।रु. 49.35 करोड की इश्यू आय में से, कंपनी रु. 37.81 करोड कार्यशील पूंजी की आवश्यकता के लिए, रु. 25 लाख राइट्स इश्यू खर्च के लिए और रु. 11.29 करोड सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है। 1995 में स्थापित, शणगार डेकोर लिमिटेड सजावट सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने में उत्कृष्ट है। कंपनी प्री-वेडिंग इवेंट्स, शादियों, कॉर्पोरेट समारोहों, सरकारी समारोहों, थिमेटिक डेकोर, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, और प्रदर्शनियों में माहिर है।

अपनी रचनात्मकता और बारीकियों पर सावधानीपूर्वक ध्यान देने के लिए प्रसिद्ध, शणगार डेकोर ने भारतीय इवेंट उद्योग में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। कंपनी विशिष्ट समाधान प्रदान करती है जो सामान्य स्थानों को अविस्मरणीय अनुभवों में बदल देती है।

मर्क्यूरी ट्रेड लिंक्स राइट्स इश्यू 5 दिसंबर को बंद होंगे

अहमदाबाद.

कृषि उत्पादों के कारोबार में लगी अहमदाबाद स्थित मर्क्यूरी ट्रेड लिंक्स लिमिटेड का रु. 48.95 करोड का राइट्स इश्यू 7 नवंबर, 2024 को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला। राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को निधि देने के लिए, इश्यू के खर्च और सामान्य क़ॉर्पोरेट हेतुओ के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट्स इश्यू 6 नवंबर, 2024 को रु. 60.43 प्रति शेयर के बंध कीमत की तुलना में रु. 44.95 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 05 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। यह दूसरा राइट्स इश्यू है। मार्च 2024 में कंपनी रु. 9.90 करोड जुटाने के लिए रु. 40.00 प्रति शेयर की कीमत पर पहला राइट्स इश्यू लाई थी।

कंपनी रु. 10 अंकित मूल्य के 1,08,90,000 पूर्ण रुप से भुगतानवाले इक्विटी शेयर नकद में

रु. 44.95 प्रति इक्विटी शेयर (रु. 34.95 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) की कीमत पर जारी करेगी, जिसका कुल मूल्य रु. 48.95 करोड होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 4:1 पर तय किया गया है (यानि की रिकॉर्ड तिथि 24 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 1 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयर के लिए रु. 10 के अंकित मूल्य के 4 राइट्स इक्विटी शेयर)। ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 तक है।48.95 करोड की इश्यू आय में से, कंपनी रु. 36.94 करोड कार्यशील पूंजी की आवश्यकता के लिए, 25 लाख राइट्स इश्यू खर्चों के लिए और रु. 11.76 करोड सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है। 1985 में स्थापित, मर्क्यूरी ट्रेड लिंक्स लिमिटेड उर्वरक, खाद, पौधे और पशु खाद्य पदार्थों सहित कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का व्यापार करने में निपुण है। कंपनी कीटनाशकों, शाकनाशी और कवकनाशी जैसे कीटनाशकों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के अनाज और बीजों का भी व्यापार करती हैं। इसके व्यापक प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में चावल, मक्का, मिलो, कपास के बीज, सोयाबीन, मूंगफली, अरंडी के बीज, अलसी, सूरजमुखी, नारियल, रेपसीड, बादाम, तिल के बीज, सरसों, समुद्री बीज और अंगूर के बीज शामिल हैं। मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, कंपनी ने रु. 13.83 करोड का राजस्व दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2023 में रु. 0.48 करोड की कुल आय की तुलना में 2796.42% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2024 के लिए शुद्ध लाभ रु. 1.14 करोड बताया गया था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निचले स्तर पर आया ग्रोथ

नई दिल्ली. देश में बढ़ती महंगाई के बीच मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में गिरावट आई है. मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ नवंबर में 11 महीने में सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गई है. महंगाई बढ़ने के कारण लोगों कम खरीदारी कर रहे हैं. घरेलू मांग में कमी आने के कारण ही मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में कमी आई है.

नवंबर महीने में पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 56.6 के स्तर पर रहा. जोकि अक्टूबर के महीने से कम है. पीएमआई के स्तर में गिरावट के पीछे घरेलू डिमांड में आई कमी को माना जा रहा है. महंगाई के बढ़ने के कारण, लोगों ने अपनी खरीदारी कम दी. कम उत्पाद की मांग होने से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी गिरावट कमी आई है. हालांकि पीएमआई पिछले तीन सालों से अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर बना हुआ है, जो भारत के विनिर्माण क्षेत्र में विकास की स्थिर गति को दर्शाता है. नवंबर महीने में घरेलू डिमांड में गिरावट आने से मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में गिरावट तो आई है. मगर इसी बीच एक्सपोर्ट डिमांड में बढ़ोतरी हुई है. घरेलू चुनौतियों के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय मांग में उछाल आया है और नवंबर में नए निर्यात ऑर्डर चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए है. भारतीय निर्माताओं ने बांग्लादेश, चीन, इटली, जापान और अमेरिका सहित बाजारों से एक्पोर्ट की मांग बढ़ने की बात कही है. मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में गिरावट के पीछे घरेलू मांग में आई कमी सबसे प्रमुख कारण है. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में घरेलू मांग में बढ़ोतरी आएगी. क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एफवाय25 के जीडीपी ग्रोथ प्रोजेक्शन को 7.2 फीसदी बरकरार रखा है. इससे इकोनॉमी में सुधार होने की उम्मीद है और इससे घरेलू मांग में भी बढ़ोतरी आ सकती है.

400 से भी ज्यादा शहरों में स्विगी का बोल्ट सेवा विस्तार

नई दिल्ली.

फूड डिलीवरी प्लेटफार्म स्विगी ने अपनी 10 मिनट की फ़ूड डिलीवरी सर्विस 'बोल्ट' का विस्तार 400 से ज़्यादा शहरों में कर दिया है। यह जानकारी कंपनी ने सोमवार को एक बयान में दी। बीते अक्टूबर में बोल्ट को शुरू किया गया था। तब इसे बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, नई दिल्ली, मुंबई और पुणे में लॉन्च किया गया था। अभी पिछले महीने ही कंपनी का आईपीओ आया है।

स्विगी का यह बड़ा विस्तार ऐसे समय में हो रहा है जब कई स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। पिछले महीने, जेप्टो ने कहा कि वह अपने कैफ़े बिज़नेस का विस्तार कर रही है, जिसके ज़रिए वह अपने क्विक कॉमर्स डार्क स्टोर्स से कुछ खाने-पीने की चीज़ें डिलीवर करती है। बोल्ट जैसी ही एक और 10 मिनट वाली फ़ूड डिलीवरी स्टार्टअप, स्विश, जो बेंगलुरु में काम करती है, ने शहर में और टियर-I शहरों में विस्तार के लिए

एक्सेल से 2 मिलियन डॉलर की सीड फंडिंग जुटाई है। यह दिखाता है कि क्विक डिलीवरी की मांग बढ़ रही है।

स्विगी पहले से ही बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों में बोल्ट सेवा शुरू कर चुकी थी। अब 400 से ज़्यादा शहरों में इसका विस्तार हुआ है। इससे पता चलता है कि कंपनी तेज़ी से बढ़ते बाजार में अपनी जगह पक्की करना चाहती है। जेप्टो भी अपने डार्क स्टोर्स से फटाफट खाना पहुंचाने की कोशिश में है। स्विश जैसी छोटी कंपनियां भी इसी राह पर चल रही हैं और निवेश हासिल कर रही हैं। यह सब देखकर लगता है कि आने वाले समय में 10 मिनट में खाना पहुँचाने का चलन और बढ़ेगा। ग्राहकों के लिए यह सुविधाजनक है और कंपनियों के लिए मुनाफ़े का नया रास्ता।

नए साल में गाड़ी खरीदना होगा महंगा

नई दिल्ली. लग्जरी कार बनाने वाली जर्मन कंपनी ऑडी की गाड़ियां महंगी होने वाली हैं। कंपनी ने भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमत में तीन फीसदी तक का इजाफा करने की घोषणा की हैं। बढ़ी हुई कीमत 1 जनवरी, 2025 से लागू होंगी। कंपनी का कहना है कि इनपुट और ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ने से उसे अपनी गाड़ियों की कीमत बढ़ानी पड़ रही है। इससे कंपनी की एक्स-शोरूम कीमत में करीब तीन फीसदी की तेजी आएगी। पिछले फाइनेंस ईयर में ऑडी इंडिया की बिक्री में 33 फीसदी उछाल आई थी। इस दौरान कंपनी की बिक्री 7,027 यूनिट रही। इनमें 4,425 एसयूवी और 2,602 सेडान रही।

ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि बढ़ती इनपुट लागत के कारण कंपनी 1 जनवरी से अपनी गाड़ियों की कीमत में 3 फीसदी तक बढ़ोतरी कर रही है। ऑडी इंडिया और उसके डीलर पार्टनर्स की टिकाऊ ग्रोथ के लिए ऐसा करना जरूरी है। हम अपने उपभोक्ताओं पर मूल्य वृद्धि का कम से कम बोझ डालना चाहते हैं। ऑडी भारत में अपने कई मॉडल बेचती है। इस बीच नवंबर में शादियों के सीजन में देश में गाड़ियों की बिक्री में तेजी देखने को मिली। ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ने और एसयूवी की बढ़ती डिमांड से मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की गाड़ियों में तेजी रही। दूसरी ओर हाल में लिस्ट हुई कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले दो फीसदी गिरावट आई। मारुति सुजुकी की बिक्री में 5 फीसदी तेजी आई जबकि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 44 फीसदी उछली है।

नोएडा बनेगा सेमीकंडक्टर हब

> योगी सरकार ने बनाया 8500 करोड़ का प्लान

नई दिल्ली.

उत्तर प्रदेश सरकार ने दिल्ली एनसीआर के सबसे अहम शहर नोएडा को सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स के लिए 8500 करोड़ रुपये के पैकेज का ऐलान किया है. जोकि यमुना एक्सप्रेस वे और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ही प्लान्ट होगा और ऐसा अनुमान है कि इस प्रोजेक्ट से करीब 15,000 लोगों को नौकरियां मिलेंगी.

यूपी सरकार के इस प्रोजेक्ट में हीरानंदानी ग्रुप का टार्क सेमीकंडक्टर भी इसमें निवेश करेगा. यह कंपनी

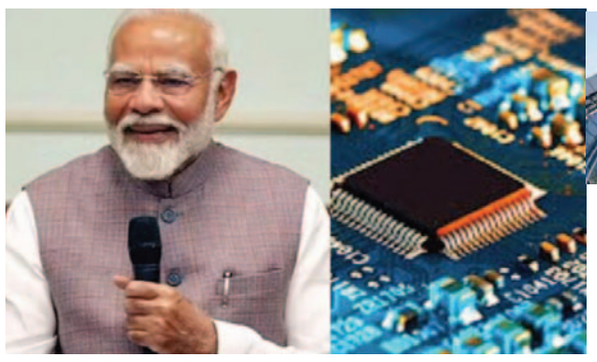

रीजन में मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए 32,146 करोड़ रुपये का निवेश करेगा और उनसे से 28,440 करोड़ रुपये सेक्टर 28 के पास 125 एयर के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने के लिए निवेश किए जाएंगे. ऐसी उम्मीद है कि इससे करीब 11 हजार लोगों को नौकरियां मिलेंगी.

इसके अलावा एचसीएल ग्रुप की सहायक कंपनी वमा सुंदरी इंवेस्टमेंट और फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगाडेवलपमेंट फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगाडेवलपमेंट फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगाडेवलपमेंट सेक्टर 10 में अपनी इकाई स्थापित करने के लिए 3,706 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. इस सुविधा से 3,780 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है.

इन कंपनियों को प्रोत्साहन देने के लिए यूपी सरकार की ओर से इनको छूट भी देगी. सरकार की ओर से टार्क को 7037.50 करोड़ रुपये की कैपिटल सब्सिडी मिलेगी. कंपनी को जमीन भी 75 फीसदी की छूट पर मिलेगी.

इसके अलावा सरकार कंपनी को स्टॉप ड्यूटी पर भी छूट दी जाएगी. इसके अलावा वामा सुंदरी इन्वेस्टमेंट कंपनी को भी सरकार की ओर से कई सुविधाएं मिलेंगी.

सरकार ने विंडफॉल टैक्स किया खत्म

> मुकेश अंबानी ने कमा लिये 24,492 करोड़

नई दिल्ली.

सरकार ने महीनों के विचार-विमर्श के बाद सोमवार को एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), क्रूड प्रोडक्ट्स, पेट्रोल और डीजल प्रोडक्ट्स पर विंडफॉल टैक्स को खत्म कर दिया. यह कदम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है. इस फैसले के बाद से देश की सबसे बड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ ओएनजीसी को भी राहत मिली है. इस फैसले से इन कंपनियों के ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन में इजाफा देखने को मिल सकता है. विंडफॉल टैक्स घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन पर एक स्पेशल टैक्स है, जिसे जुलाई 2022 में ग्लोबल क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों के बाद लाया गया था. ताकि उत्पादकों द्वारा किए गए अप्रत्याशित लाभ से रेवेन्यू हासिल किया जा सके. क्रूड ऑयल के साथ सरकार ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क और बुनियादी ढांचा उपकर (आरआईसी) भी वापस ले लिया है. संसद में नोटिफिकेशन रखा जा चुका है. एक अधिसूचना भी रखी जा चुकी है. सितंबर में, भारत सरकार ने अगस्त में कच्चे तेल पर 1,850 रुपए प्रति टन से अप्रत्याशित कर को खत्म करने की घोषणा की. डीजल और एयर टर्बाइन फ्यूल के एक्सपोर्ट पर अप्रत्याशित कर भी समाप्त कर दिया गया. इस फैसले के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में इजाफा

सरकार के इस फैसले के बाद देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में इजाफा देखने को मिल रहा है. आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान करीब डेढ़ फीसदी की तेजी के साथ 1311.05 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया. वैसे शेयर बाजार बंद होने के बाद कंपनी का शेयर 1.17 फीसदी की तेजी के साथ 1307.55 रुपए पर दिखाई दिया. सुबह देश की सबसे बड़ी कंपनी का शेयर 1291.65 रुपए पर ओपन हुआ था.

कंपनी का शेयर में करीब डेढ़ फीसदी तक की तेजी देखने को मिल चुकी है. जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप में करीब 24,500 करोड़ रुपए तक का इजाफा देखने को मिल चुका है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से विंडफॉल टैक्स को लेकर और क्या जानकारी दी गई है.

रूस-यूक्रेन वॉर की शुरुआत और क्रेमलिन पर पश्चिम के प्रतिबंधों के दौरान, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि की वजह से तेल कंपनियों को जबरदस्त फायदा हुआ था. इस मुनाफे ने एक ऐसा माहौल तैयार किया जहां तेल कंपनियों ने महत्वपूर्ण, एकमुश्त मुनाफा कमाया. इस असाधारण मुनाफे के जवाब में, भारत घरेलू कच्चे तेल उत्पादकों और निर्यातकों पर विंडफॉल टैक्स लगाकर कई अन्य देशों में शामिल हो गया था. इस कदम का उद्देश्य घरेलू कच्चे तेल उत्पादकों और निर्यातकों पर अप्रत्याशित कर लगाकर सरकार के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करना था.

8वें वेतन के साथ फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की भी मांग

नई दिल्ली.

भारत के एक करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारक 8वें वेतन आयोग के गठन का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि 8वां वेतन आयोग जनवरी, 2026 से लागू होना है। इससे पहले आयोग को अपनी रिपोर्ट देना है। अगर 8वां वेतन आयोग बनता है और वेतन-पेंशन बढ़ाने की सिफारिश करता है तो केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी हो जाएगी। हालांकि, सरकार की ओर से 8वें वेतन आयोग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1 फरवरी, 2025 को पेश होने वाले आम बजट में सरकार इसका ऐलान कर सकती है।

संयुक्त सलाहकार समिति की राष्ट्रीय परिषद ने सरकार से 8वें वेतन आयोग के साथ फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की भी मांग की है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर की दर 2.57 थी, जिसे इस बार बढ़ाकर 2.86 करने की मांग की चल रही है। बता दें कि फिटमेंट फैक्टर के आधार पर ही सैलरी आयोग लागू किया जाता है और वेतन एवं पेंशन में इजाफा होता है।

समझें सैलरी का कैलकुलेशन अगर आप 7वें वेतन आयोग का कैलकुलेशन देखें तो पाएंगे कि इसके लागू होने से पहले न्यूनतम बेसिक सैलरी सिर्फ 7 हजार रुपये थी। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 कर दिया गया।

इसके बाद न्यूनतम बेसिक सैलरी बढ़कर 18 हजार रुपये हो गई। मतलब इससे पहले की 7 हजार रुपये की बेसिक सैलरी को 2.57 गुना करके 18 हजार कर दिया गया। अब अगर 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.86 किया जाता है तो न्यूनतम बेसिक सैलरी 18 हजार से बढ़कर 51,480 रुपये हो जाएगी। इसका मतलब साफ है कि सैलरी में करीब 3 गुने का इजाफा हो सकता है।

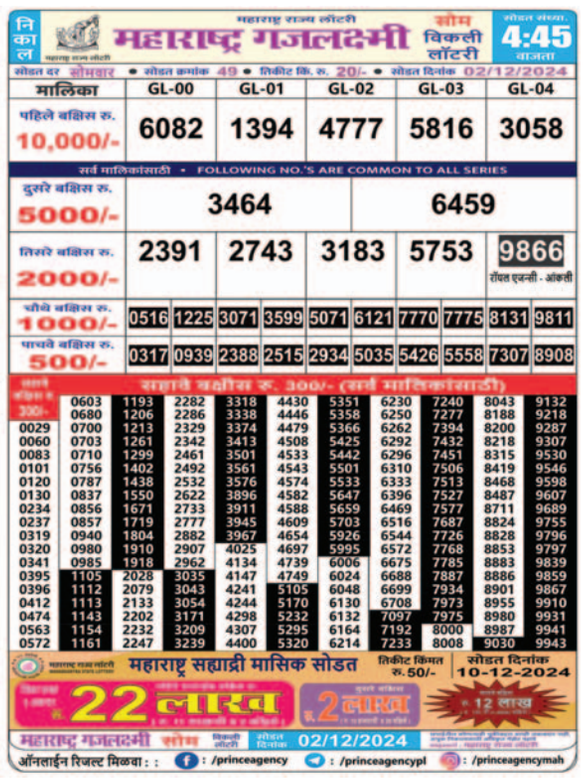

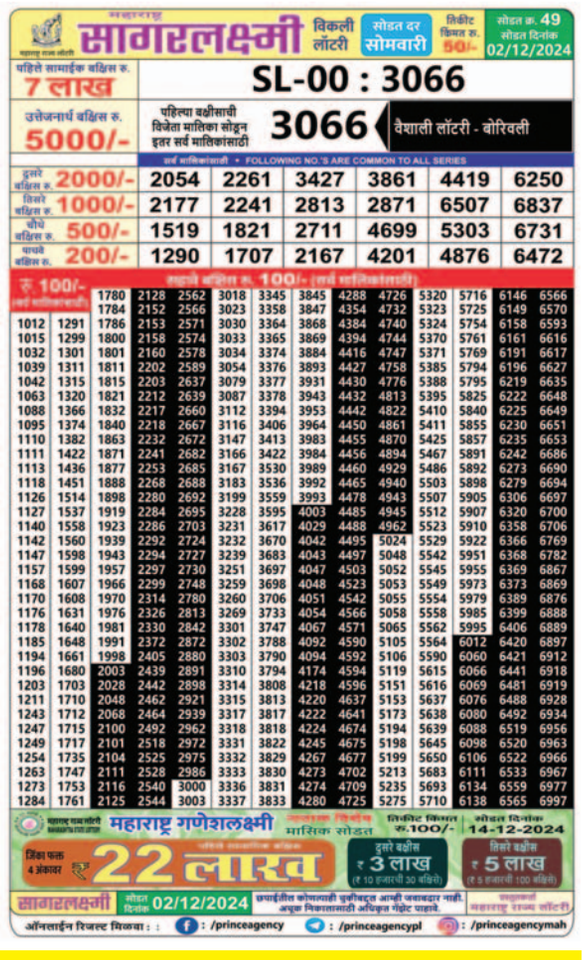

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

फिर विवादों में ईवीएम

शिवसेना यूबीटी ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

मुंबई.

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है. वहीं महाविकास अघाड़ी गठबंधन को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा. चुनाव नतीजे जारी होने के बाद से ही महाराष्ट्र में ईवीएम को लेकर लगातार सियासी हंगामा शुरू हो गया. विपक्ष लगातार ईवीएम को लेकर सवाल खड़े कर रहा है. इस बीच शिवसेना यूबीटी ने सोमवार को एक बार फिर पोस्टल बैलेट और ईवीएम के आंकड़ों में बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है.

शिवसेना सचिव और बांद्रा ईस्ट सीट पर जीत दर्ज करने वाले वरुण सरदेसाई चुनाव आयोग से पूछा है कि जब पोस्टल बैलेट में हम 143 सीट पर आगे थे, तो ईवीएम की काउंटिंग में महाविकास अघाड़ी 46 पर कैसे आ गई. उन्होंने कहा कि इससे ईवीएम में गड़बड़ी होने की आशंका साफ जाहिर होती है और इससे इंकार नहीं किया जा सकता है.'

वरुण यूबीटी के विधायक ही नहीं बल्कि ठाकरे परिवार के रिश्ते में आते है. चुनाव आयोग की साइट से आंकड़े जारी कर वरुण सरदेसाई ने कहा कि विधानसभा चुनाव में पोस्टल और ईवीएम वोटों की तुलना आज आपके सामने रखी है. पोस्टल वोटों के दौरान हम महायुति के मुकाबले कई सीटों पर आगे थे लेकिन ईवीएम में हम महायुति से पिछड़ गए. पोस्टल में हमें 146 सीटों पर लीड मिली है, महायुति हमसे पीछे है. लेकिन जब ईवीएम से वोटों की बात होती है उस समय हम 15 से 20 परसेंट पीछे चले जाते हैं. ये कैसे मुमकिन है.

ईवीएम के मुद्दे को जनता के सामने रखेंगे

वरुण सरदेसाई ने कहा कि महाविकास अघाड़ी ईवीएम के मुद्दे को जनता के सामने रख रही है. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी जिन पोस्टल बैलेट काउंटिंग में आगे थे, ईवीएम में वो ट्रेंड बना रहा, लेकिन विधानसभा में ये ट्रेंड नहीं दिखा. सरदेसाई ने सवाल कि किया कि अगर हिंदुत्व के वोट से महायुति ने चुनाव में जीत दर्ज की है तो क्या सैनिक, प्रशासनिक अधिकारी, अत्यावश्यक सेवा से जुड़े लोग बीजेपी के हिंदुत्व को नकार रहे है.

कॉलेज छात्रों के बीच फ्रीस्टाइल विवाद

लोनावला. लोनावाला के एक बस स्टैंड पर कॉलेज छात्रों के दो समूहों के बीच फ्रीस्टाइल विवाद हो गया। यह घटना दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है. मामला सीधे लोनावला पुलिस स्टेशन पहुंच गया है. लोनावला पुलिस ने इस मामले में कॉलेज के छात्रों को बुलाकर समझाइश दी है. यह जानकारी लोनावला पुलिस ने दी है. यह बात सामने आई है कि लोनावला में बस स्टैंड पर किसी हिंदी फिल्म की तरह फ्रीस्टाइल झगड़ा हुआ था। घटना का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आज दोपहर करीब 12.30 बजे जब कॉलेज के दो ग्रुप आपस में भिड़े तो उनके बीच फ्रीस्टाइल भिड़ंत हो गई. 15 से 20 लोगों का समूह एक-दूसरे पर लाठी-डंडे बरसाने लगा। बस स्टैंड पर मौजूद कर्मचारी इस झगड़े को सुलझाने में जुट गए।

अकोला शहर से लगभग 18-19 किमी दूर स्थित कापशी जलाशय पर पहली दफा बार-हेडेड गूज पक्षी दिखाई दिए हैं। इनकी केवल एक जोड़ी इस तालाब पर पक्षी निरीक्षण के दौरान पक्षी मित्र विलास देशमुख और विजय देशमुख को दिखाई दी। बार हेडेड गूज पक्षी को मराठी में पट्टकदंब कहा जाता है। कुछ लोग इन्हें राजहंस भी कहते हैं।

व्यवसायी द्वारा 14 खाते खोलने और धन का दुरुपयोग करने का आरोप

मालेगाव. मालेगांव के एक व्यवसायी द्वारा दो बैंकों में 14 खाते खोलने और कथित तौर पर चुनाव उद्देश्यों के लिए धन का दुरुपयोग करने के आरोपों की प्रवर्तन निदेशालय की जांच ने इसका दायरा बढ़ा दिया है। आशंका है कि यह गबन 1200 करोड़ रुपये का है और ईडी को फर्जी कंपनी के जरिए 21 बैंक खातों से हुए 800 करोड़ रुपये के लेनदेन की जानकारी मिली है. सूत्रों ने कहा कि अधिकांश कंपनियां एकल स्वामित्व वाली हैं और वे नवी मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में स्थित हैं।

ईडी इस मामले में राजनीतिक दलों और व्यक्तियों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है. सूत्रों के मुताबिक, मालेगांव के सिराज अहमद हारून मेमन द्वारा नासिक मर्चेंट को-

ऑप बैंक समेत दो बैंकों में करीब 14 बैंक खाते खोलने के मामले में ईडी ने हाल ही में 28 जगहों पर छापेमारी की थी. मेमन को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था. बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने इस मामले को 'वोट जिहाद फंडिंग' घोटाला बताया. यह भी आरोप है कि इन बेनामी बैंक खातों से पैसे निकाले गए और चुनावों में इसका दुरुपयोग किया गया।

आरोपी सिराज ने मालेगांव में नासिक मर्चेंट को-ऑपरेटिव बैंक में कई बैंक खाते खोले थे. उसने नागरिकों के केवाईसी दस्तावेजों का उपयोग करके किसानों को पैसा भेजने के लिए एक नया व्यवसाय शुरू करने का नाटक किया था। सिराज ने कृषि व्यवसाय के लिए बैंक खाते खोलने को कहा था। शिकायतकर्ता जयेश मिसाल ने पुलिस को बताया कि उसने बदले में कृषि उपज बाजार समिति में काम करने का वादा किया था। मिसाल की तरह सिराज ने 11 अन्य लोगों के भी बैंक खाते खुलवाए थे. मिसल और अन्य खाताधारकों को बाद में एहसास हुआ कि इन खातों में करोड़ों रुपये जमा किए गए थे और उन्हें अन्य खातों में भेजा जा रहा था। इस तरह की घटना से मिसल और अन्य खाताधारक सदमे में हैं. उन्होंने इस मामले में पुलिस से शिकायत की. उन्होंने शिकायत में कहा कि सिराज ने उनके बैंक खातों का दुरुपयोग किया और अवैध रूप से उनमें पैसे ट्रांसफर किए.

16 छात्राओं ने टीचर पर लगाए आरोप

लातूर. महाराष्ट्र के लातूर जिले से एक शर्मसार करने वाली खबर सामने आई है। लातूर के जिला परिषद स्कूल के एक टीचर को नाबालिग छात्राओं का यौन उत्पीड़न और उनका पीछा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बीते रविवार, 1 दिसंबर को इस बारे में जानकारी दी है। अधिकारी ने इस शर्मनाक घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बीते दिनों शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया और अन्ना श्रीरंग नरसिंगे को एक दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया।एमआईडीसी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि अन्ना श्रीरंग नरसिंगे हरंगुल (खुर्द) में जिला परिषद स्कूल पढ़ाता था। पद से हटाए जाने से पहले वह पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक था. अधिकारी ने बताया, उस पर छात्राओं को अनुचित तरीके से छूने और उन्हें आई लव यू आदि कहने का आरोप है।

बता दें कि आरोपी टीचर कथित तौर पर 16 लड़कियों से अपने पैर-हाथ मालिश करवाने का काम किया था।

ये घटनाएं 2021 से चली आ रही हैं। आरोपी टीचर ने यह भी धमकी दी कि अगर उन्होंने किसी को अपनी आपबीती बताई तो वह परीक्षा में नंबर काट लेगा और फेल करा देगा। फिर भी छात्राओं ने निडर होकर शिकायत की। लड़कियों द्वारा अधिकारियों से शिकायत करने के बाद जिला परिषद ने इस मामले की जांच शुरू कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी निवृत्ति जाधव की शिकायत पर उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(2), 75(3), 78(2), 79 और लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, पीछा करने और अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। ऐसे में इस मामले में आगे की कार्रवाई की कार्य जारी है।

भारी बारिश के कारण गांव में सनसनी

बुलढाणा.

सोमवार को बुलढाणा जिले में बादल छाए रहने और छिटपुट बारिश का अनुमान है. लेकिन चिखली तालुक के अंचरवाड़ी में बारिश नहीं हुई, लेकिन भारी बारिश के कारण गांव क्षेत्र सहित चिखली तालुक में सनसनी फैल गई. अंचरवाड़ी में उपकरण रहित एक पौधा आसमान से गिर गया है। यह एक बड़े गुब्बारे से जुड़ा हुआ एक पौधा (उपकरण) है। मशीन ग्राम अंचरवाड़ी के किसान संजय सीताराम परिहार के खेत में गिरी है। सोमवार को सुबह संजय परिहार का बेटा अविनाश परिहार और चचेरा भाई वैभव परिहार रोजाना की तरह खेत पर काम करने गये थे। इस बार उन्हें दूर से खेत में कुछ अलग पड़ा हुआ दिखाई दिया.

जब दोनों ने करीब से देखा तो उन्हें यह उपकरण एक बड़े गुब्बारे

से जुड़ा हुआ दिखाई दिया। जैसे ही अविनाश और वैभव ने इसकी जानकारी दी तो ग्रामीण और रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए। साथ ही इसकी जानकारी कुछ मीडिया प्रतिनिधियों को भी दी गयी. इसी बीच पुलिस और राजस्व कर्मी प्रवेश कर गये। प्रारंभिक अनुमान लगाया गया कि यह उपकरण मौसम विभाग द्वारा छोड़ा गया होगा. लेकिन डिवाइस में कोरियाई भाषा में टेक्स्ट होने से रहस्य बढ़ गया। इस बीच, डिवाइस किस लिए है? दोपहर बारह बजे तक इसकी जानकारी नहीं मिल सकी थी. लेकिन डिवाइस पर कोरियाई भाषा में टेक्स्ट है और बताया गया है कि ये डिवाइस कोरिया में निर्मित हैं।

बटुआ चोरी के संदेह में युवक की हत्या

मुंबई. विक्रोली इलाके में बटुआ चुराने के संदेह में हुई लड़ाई में 33 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई. इस मामले में पार्कसाइट पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है. मृतक की पहचान बलिराम निरहू चौहान (33) के रूप में की गई है. वह उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के भानपुर के मूल निवासी हैं। वह छोटा-मोटा काम करके गुजारा कर रहा था। वह मुंबई में पार्कसाइट इलाके में लागिन सराय मैदान के पास रहते थे। आरोपी संगीत राव चव्हाण भी वहीं रहता था. चौहान ने कुली का काम करके पैसा कमाया था। उस रकम वाला बटुआ कुछ दिन पहले चोरी हो गया था। इसी बात से वह नाराज था. उन्हें शक था कि संगीत राव ने ही बटुआ चुराया है. उसी को लेकर बलिराम संगीत राव से झगड़ रहा था. उन्होंने संगीत राव की भी दो बार पिटाई की. शनिवार को भी बलिराम और संगीत राव के बीच विवाद हुआ था।

उस वक्त दोनों के परिचित विजय निघोड़ ने बीच-बचाव कर विवाद सुलझाने की कोशिश की. लेकिन गुस्साए संगीत राव ने बलिराम पर चाकू से वार कर दिया. गंभीर रूप से घायल बलिराम को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उनका इलाज किया गया. मामले की जानकारी बलिराम के भाई रामउग्रह चौहान (28) को हुई। इसी के तहत वह अस्पताल आये. उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुरुआत में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। लेकिन इलाज के दौरान बलिराम की मौत हो गई. इस मामले में पार्कसाइट पुलिस ने तुरंत हत्या की धारा बढ़ा दी. वहीं, आरोपी संगीत राव की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गईं.

नाबालिग को धमकी देकर शोषण करने का आरोप

मुंबई. 56 वर्षीय एक व्यक्ति पर अंधेरी के डी को उसके दोस्तों के साथ बातचीत के फुटेज दिखाने की धमकी देकर 14 वर्षीय लड़की का बार-बार शोषण करने का आरोप है। नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले में आरोपी की मदद करने वाला उसका साथी को भी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. ऐसे में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. पीड़ित लड़की पर आरोपी ने

एक लड़के से दोस्ती करने के लिए दबाव डाला था. इसके बाद उनसे हुई बातचीत को मोबाइल फोन पर फिल्माया गया. उसने पीड़िता को वह फुटेज दिखाने के बाद उसके माता-पिता को इसके बारे में बताने की धमकी दी। तो पीड़िता डर गई. इस मामले में पीड़िता की बेटी द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

बर्गर किंग नाम को लेकर विवाद

पुणे. बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को पुणे के कैंप इलाके में स्थित एक मशहूर रेस्तरां को बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल करने से रोक दिया। उच्च न्यायालय ने पंजीकृत ट्रेडमार्क के कथित उल्लंघन के मामले में अमेरिकी कंपनी को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम राहत को बरकरार रखा है। इसलिए, ट्रेडमार्क उल्लंघन के संबंध में अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय बर्गर ब्रांड द्वारा दायर लंबित अपील का फैसला होने तक पुणे रेस्तरां 'बर्गर किंग' नाम का उपयोग नहीं कर पाएगा।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे कोर्ट के

16 जुलाई के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है . पुणे की एक अदालत ने ट्रेडमार्क कानून के उल्लंघन के संबंध में एक अमेरिकी कंपनी द्वारा दायर मामले को खारिज कर दिया था। इसके बाद अमेरिकी कंपनी ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की. अब हाई कोर्ट ने पुणे के रेस्तरां और अन्य को बर्गर किंग के ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने यानी बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल करने से रोक दिया है।

अमेरिका के बर्गर किंग कॉर्पोरेशन ने ट्रेडमार्क कानून के उल्लंघन के आरोप में पुणे में बर्गर किंग नामक रेस्तरां के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुणे के इस रेस्टोरेंट का मालिक अनाहिता ईरानी और शापूर ईरानी हैं। मुकदमा लंबित रहने तक रेस्तरां ने अब अपना नाम बदलकर 'बर्गर' रख लिया है। अतुल एस. चांदुरकर और राजेश एस. पाटिल ने कहा कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ इस मामले के

मराठों के बिना सरकार नहीं बन सकती- जरांगे

मुंबई. मराठा आरक्षण को लेकर लड़ाई लड़ रहे मनोज जरांगे पाटिल ने विधानसभा चुनाव लड़ने की भी तैयारी कर ली थी, लेकिन समय रहते पीछे हट गए. उसके बाद रविवार को मनोज जारागे पाटिल धाराशिव जिले के दौरे पर पहुंचे थे. जहां, तुलजापुर जाकर तुलजा भवानी के दर्शन किए. इसके बाद जरांगे पाटिल ने एक बार फिर तुलजा भवानी के मंदिर से ही सरकार को चेतावनी दी है. तुलजा भवानी मंदिर से ही मनोज जरांगे पाटिल ने बड़ा ऐलान किया है. जरांगे पाटिल ने कहा है कि अगला आंदोलन मुंबई के आजाद मैदान में हो सकता है. सरकार किसी की भी हो, आरक्षण को सिर माथे पर लेंगे. जानेंगे ने कहा है कि विधानसभा चुनाव लड़ने का फॉर्मूला मेल नहीं खाया, वरना सुपड़ा साफ हो जाता. उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि मराठों के बिना महाराष्ट्र में सरकार नहीं बन सकती, इस बार मराठा समाज ने भी ओबीसी विधायक चुने हैं. विधानसभा चुनाव लड़ने का फॉर्मूला मेल नहीं खाया, नहीं तो सुपड़ा साफ हो जाता. अब से आरक्षण के लिए आजाद मैदान में सामूहिक भूख हड़ताल की जा सकती है. मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि आरक्षण आंदोलन नहीं रुकेगा. तो अब संभव है कि मनोज जारांगे पाटिल एक बार फिर अपना अनशन शुरू कर दें.

मैं राज्य में किसी भी मंत्री पद की दौड़ में नहीं हूं: श्रीकांत शिंदे

उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा जोरों पर

मुंबई.

महाराष्ट्र की राजनीति अपने चरम पर है. विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद प्रदेश में नई सरकार अभी तक अस्तित्व में नहीं आ सकी है. निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले ही कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जो फैसला लेंगे वो मंजूर होगा. ऐसे में शिंदे के बेटे को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा जोर पकड़ चुकी है, लेकिन उन्होंने भी साफ कर दिया है कि वो इस पद की रेस में नहीं हैं.

उन्होंने आगे कहा,"कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 2 दिन के लिए अपने गांव आए थे, लेकिन अस्वस्थ होने की वजह से वहां पर आराम किया. इस बीच कुछ ऐसी अफवाहें फैल गईं. पिछले 2 दिनों से मेरे उपमुख्यमंत्री बनने की खबर प्रश्नचिन्हों के साथ चलाई जा रही है. जबकि वास्तव में इसमें कोई सच्चाई नहीं है और मेरे

उपमुख्यमंत्री बनने की सभी खबरें निराधार हैं."

चर्चाओं पर विराम लगाने की बात करते हुए श्रीकांत शिंदे ने कहा कि मीडिया का उत्साह और प्रतिस्पर्धा की वजह से हम समझ सकते हैं.लेकिन मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे खबरें देते समय वास्तविकता से मुंह न मोड़ें. उम्मीद करता हूं कि मेरे संबंध में हो रही चर्चाएं कम से कम अब बंद हो जाएंगी.

लोकसभा क्षेत्र तथा शिवसेना के लिए काम करेंगे

कल्याण लोकसभा सीट से सांसद श्रीकांत शिंदे ने आगे कहा, "लोकसभा चुनाव के बाद भी मुझे केंद्र सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला था. लेकिन पार्टी संगठन के लिए काम करने की सोच कर मैंने तब भी मंत्री पद ग्रहण करने से इनकार कर दिया था. मुझे सत्ता में किसी पद की लालसा नहीं है. मैं एक बार फिर यह साफ कर देता हूं कि मैं राज्य में किसी भी मंत्री पद की दौड़ में नहीं हूं. हम केवल अपने लोकसभा क्षेत्र तथा शिवसेना के लिए काम करेंगे."

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातकों के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने फिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

सीआईएसएफ जवानों ने डॉक्टर और परिजनों को पीटा

पनवेल. खारघर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने एक डॉक्टर और उसके परिवार की बेरहमी से पिटाई की. यह घटना दो दिन पहले शुक्रवार रात साढ़े दस बजे खारघर के सेक्टर 12 की सड़क पर घटी. पुलिस ने खारघर पुलिस स्टेशन में 10 से 15 केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है. मुंबई हवाई अड्डे पर सुरक्षा के लिए तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान खारघर कॉलोनी में रह रहे हैं। शुक्रवार की रात जब चार बसें जवानों से भरी हुई थीं तो डॉक्टर डॉ. श्रीनाथ प्रकाश परब की गाड़ियों से दबाया गया. हालांकि, डॉ. श्रीनाथ की गाड़ी रोक दी गई. उस समय डॉ. श्रीनाथ के साथ भाभी शरवरी परब

और दोस्त जयेश विसावे यात्रा कर रहे थे। जैसे ही दो सौ जवानों को ले जा रही सभी चार बसें रुकीं, कम से कम दो सौ जवान सड़क पर आ गए। लेकिन उनमें से 15 जवान डॉ. श्रीनाथ समेत सभी को पीटा गया और गालियां दी गईं. डॉ। शिकायत में कहा गया है कि श्रीनाथ की गाड़ी का शीशा भी तोड़ दिया गया. 10 से 15 जवानों के नशे में होने के कारण कुछ जवान उन्हें शांत करा रहे थे. इन सभी घटनाओं की फुटेज सोशल मीडिया पर फैलने के बाद जवानों की हरकत पर गुस्सा जताया जा रहा है. खारघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपक सुर्वे ने भारतीय न्याय संहिता के अनुसार शनिवार सुबह 5:55 बजे 15 अज्ञात सीआईएसएफ जवानों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

नवनिर्माण सेना में बढ़ता आंतरिक विवाद

बोईसर. विधानसभा चुनाव में हार के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है. लोकसभा चुनाव में उतारे गए उम्मीदवारों को अपेक्षित वित्तीय सहायता नहीं मिलने की शिकायत करने के कुछ ही घंटों के भीतर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के पालघर लोकसभा अध्यक्ष समीर मोरे और उनके भाई आतिश मोरे पर जानलेवा हमला किया गया। इस हमले को अंजाम देने का आरोप मनसे के ठाणे नेता और पालघर जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव और उनके साथ मौजूद 15 से 20 लोगों पर है. पालघर विधानसभा चुनाव में मनसे ने पालघर के अलावा बाकी पांच जगहों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे.

पब्लिक नोटिस

आम जनता को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रियाज अहमद मोहम्मद रफिक, रहना- प्लॉट नं. २६-ए, नसीब डेकोरेशन लाईन, सिद्धार्थ नगर, हबीब नगर, टेका, डॉ. आंबेडकर मार्ग, नागपूर - ४४००१७, इन्होंने मौजा गोरेवाडा, प.ह.नं. ८, खसरा नं. ४२/२ मे डाले गये ले-आऊट का प्लॉट नं. बी- ६, जिसका कुल क्षेत्रफल १५७५ चौरस फिट (१४६.३२ चौरस मीटर) है। यह मालमत्ता शिव प्रसादपाल वल्द धनुलाल पाल, रहना वार्ड नं. १५, आंबेडकर कॉलोनी, लोनिया कर्बल, छिंदवाडा, मध्य प्रदेश -४८०००१, इनसे खरीदने में इच्छुक हैं तथा टोकन बयाना कर चुके हैं। यदि किसी भी व्यक्ति या वारसदार, बैंक, संस्था इत्यादि का इस संपत्ति पर किसी भी प्रकार का बोझा, गहाण, हक, हस्तक्षेप, दावा या किसी भी प्रकार का क्लेम आक्षेप हो तो वह इस सूचना के प्रकाशित होने से १० दिनों के भीतर लिखित रूप से सभी मूल कागज, दस्तावेजों के साथ अपना आक्षेप प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद में किया गया किसी भी प्रकार का आक्षेप ऑब्जेक्शन मान्य नहीं होगा तथा मेरे पक्षकार पर लागू व बंधनकारक नहीं रहेगा एवं मेरे पक्षकार इसकी नोंद / रजिस्ट्री करवा लेंगे।

ठिकाण :- नागपूर
दिनांक - ०३/१२/२०२४

अधिवक्ता व नोटरी
अर्चना रोशन बांगर (मेश्राम)
रुद्रा मल्टीसर्विसेस, ९५, राय आशियाना अपार्टमेंट, मोतीबाग, नागपूर ४४०००४
मो. नं. ८२०८५०१८२२, ९४२३११४५७८

PUBLIC NOTICE

Process No. : 267/24 Date : 19/11/24
IN THE COURT OF CJJD & JMFC PARSHIONI, DIST. NAGPUR. (M.S.)
M.J.C. No. 6/2024 Fixed For 05/12/2024

Applicant : 1) Gangadhar Shamraoji Khekare, Age 67 Yrs., R/o Pandhari (J) Umari, Tah. Saoner, Dist. Nagpur, **2) Baba Nanaji Jogi,** Age 50 Yrs., R/o Pandhari (J) Umari, Tah. Saoner, Dist. Nagpur.

--Versus-- Non-Applicants: Nil

Name of Deceased: 1) Late Kasabai Shamrao Khekare, Date of Death 16/08/2005, 2) Late Kusum Krushana Thombre, Date of Death 28/09/2001.

Whereas **1) Late Kasabai Shamrao Khekare, Date of Death 16/08/2005, 2) Late Kusum Krushana Thombre, Date of Death 28/09/2001.** and Whereas **1) Shri. Gangadhar Shamraoji Khekare, 2) Shri. Baba Nanaji Jogi,** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under Clause 2 of Bombay Regulation VIII of 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **1) Shri. Gangadhar Shamraoji Khekare, 2) Shri. Baba Nanaji Jogi,** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **CJJD & JMFC, Parshioni, Nagpur** on **05th Day of December, 2024** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, this day of **18th Day of Nov., 2024.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt.
Court of CJJD & JMFC, Parshioni.

Prasanna Publicity 09326927622

सुविचार

सफलता के लिए सिर्फ़ कल्पना ही नहीं सार्थक कर्म भी ज़रूरी है

संपादकीय

अच्छी नहीं अनिश्चितता

> महाराष्ट्र में सरकार बनने में देरी क्यों?

❒ यह भी महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति की एक दिलचस्प खूबी ही कही जाएगी कि मतदाताओं के प्रचंड जनादेश के बावजूद सरकार गठन की प्रक्रिया मुश्किलों से घिरी दिख रही है। अपनी तरफ से शपथ ग्रहण की तारीख घोषित करके बीजेपी ने यह कोशिश जरूर की है कि सभी मतभेद तब तक सुलझा लिये जाएं, लेकिन इस कदम का भी कितना और कैसा असर होगा, इसे लेकर तत्काल कोई नतीजा निकालना मुश्किल साबित हो रहा है।

राजनीति में हालांकि इस तरह के असमंजस की स्थिति बनती रही है, लेकिन जिस तरह की अप्रत्याशित जीत महायुति के हिस्से में आई है, उसके बाद इसकी उम्मीद नहीं की जा रही थी। इस देरी से जहां जनता के बीच महायुति के घटक दलों में आपसी विश्वास और सामंजस्य की कमी का संदेश जा रहा है और सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर बीजेपी की स्थिति असहज हो रही है, वहीं विपक्षी खेमे को भी टीका-टिप्पणी का मौका मिल रहा है।

सवाल अगर ज्यादा दूर तक नहीं जा रहा तो उसके पीछे चुनाव नतीजों से निकले ठोस राजनीतिक समीकरण ही हैं, जिनमें किसी वैकल्पिक व्यवस्था की गुंजाइश नहीं दिख रही। बीजेपी और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी के विधायकों का जोड़ ही सुविधाजनक बहुमत जुटा देता है। अजित पवार जिस मजबूती से बीजेपी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं, उसमें एकनाथ शिंदे कोई भी फैसला करें, बीजेपी नेतृत्व का सिरदर्द नहीं बन सकते।

फिर भी बीजेपी के लिए सबको साथ लेना और सबका विश्वास हासिल करते हुए आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। आगामी मुंबई महानगरपालिका के चुनाव तय करेंगे कि मुंबई में किसका दबदबा रहेगा। मुंबई और ठाणे में शिंदे के प्रभाव को देखते हुए बीजेपी उन्हें दूर करके उद्धव ठाकरे की शिवसेना को जड़ें मजबूत करने का मौका नहीं देना चाहेगी। लिहाजा, उन्हें मनाना बीजेपी नेतृत्व के लिए जरूरी है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो महाराष्ट्र जैसा अहम मोर्चा फतह करने के बाद भी इस तरह का अनिश्चय एनडीए और महायुति की तरफ से कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहा। यह जितनी जल्दी दूर हो, उतना ही अच्छा है।

संभल न पहला है और न ही आखिरी

अपूर्वानंद

● संभल में हाल ही में पांच मुसलमानों की हत्या के कारण व्यापक आक्रोश है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इस बात को लेकर कई तरफ उंगलियां उठ रही हैं। एक वर्ग ऐसा भी है जो इसके लिए कुछ ही दिन पहले रिटायर हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को जिम्मेदार ठहराता है। माननीय चंद्रचूड़ की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन सबसे पहले उनकी बात करते हैं जो सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं- आज की सत्ता में बैठे लोग और वे संस्थाएं जिनका काम कानून का राज बनाए रखने, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सभी नागरिकों के जीवन की रक्षा करने का है।

संभल प्रशासन का दावा है कि पीड़ितों की मौत पुलिस की गोलियों से नहीं हुई। लेकिन यह दावा सवालों के घेरे में है क्योंकि सर्किल अधिकारी ने उत्तेजित मुसलमानों पर गोली चलाने की बात स्वीकार की है। सबसे पहले तो आरोप नागरिक और पुलिस प्रशासन पर आता है जिन्होंने भड़काऊ नारे लगाती भीड़ को शाही मस्जिद तक जाने दिया। उनके रुख ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और गंभीर बना दिया; लोगों के गुस्से को शांत करने के बजाय उन्होंने आग में घी डाल दिया।

मस्जिद 'सर्वेक्षण' के फैसले की भी समीक्षा होनी चाहिए। स्थानीय सिविल न्यायाधीश ने मस्जिद समिति का पक्ष जाने बिना सर्वेक्षण का आदेश दे दिया जो निर्धारित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है। जिस जल्दबाजी में अदालती कार्यवाही हुई, उससे वकील और न्यायविद भी हैरान रह गए। सर्वेक्षण सिर्फ सात दिनों में पूरा होना था और आदेश जारी होने के चंद घंटों के भीतर ही वरिष्ठ अधिकारियों ने दल-बल के साथ काम शुरू भी कर दिया! ऐसे मामलों में इस तरह की तत्परता नहीं देखी जाती और इससे ऐसा लगता है कि यह लोगों को भड़काने का एक समन्वित प्रयास था।

इसके बाद 24 नवंबर को सर्वेक्षण का काम जिस तरह आगे बढ़ाया गया, वह तो और भी ज्यादा परेशान करने वाला है। सर्वेक्षक के साथ लोगों की भीड़ भी थी। (यह कोई हैरानी की बात नहीं है क्योंकि एक दिन पहले ही राज्य में हुए उपचुनाव के नतीजे आए थे।) वीडियो सबूतों से पता चलता है कि पुलिस अधिकारी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश करने के बजाय उनकी मदद ही कर रहे थे। जाहिर है, यह प्रशासनिक कार्रवाई निष्पक्ष नहीं बल्कि मस्जिद पर राज्य समर्थित आक्रमण जैसी थी.

बड़ा सवाल यह भी है कि सर्वेक्षण की मांग करने वाले याचिकाकर्ता को सर्वेक्षण दल के साथ जाने की अनुमति क्यों दी गई? साफ है कि अदालत की रुचि निर्धारित प्रक्रिया के पालन में नहीं थी और उसने बेहद पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया। यह भी उतना ही स्पष्ट है कि प्रशासन ने तनाव को बढ़ाने में भूमिका निभाई। उसने स्थानीय लोगों को भरोसे में लेने का कोई प्रयास नहीं किया और फिर जब उन्होंने विरोध शुरु किया तो उन्हें चुप कराने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल किया।

जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और सर्किल अधिकारी के बयान कोई दिलासा नहीं दिलाते। उनमें से किसी ने भी जानमाल के नुकसान पर खेद नहीं जताया। पीड़ितों के लिए उनकी भाषा ऐसी थी जैसे वे इंसान ही न हों और अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षा के हकदार नागरिक के बजाय दुश्मन माना।

निःसंदेह पहली जिम्मेदारी जमीनी स्तर के प्रशासनिक अमले की बनती है लेकिन संभल के पीड़ितों के खून ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की विरासत को भी दागदार कर दिया है। उनके कार्यों ने ऐसा कानूनी माहौल बनाया जिसने संभल को संभव बनाया.

संस्मरण

अल्ताफ मीर, पीएचडी विद्वान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया

सोशल मीडिया के माध्यम से मुस्लिम युवाओं का अतिवाद

अतिवाद का मुकाबला करने में विद्वानों और मुस्लिम संगठनों की भूमिका

❒ संचार, शिक्षा और सामाजिक समावेशन का मार्ग प्रशस्त करते हुए इंटरनेट हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। हालाँकि, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के उदय के साथ, वे चरमपंथी विचारधाराओं को युवाओं, विशेषकर मुस्लिम युवाओं की वकालत करने और उनका पुनर्वास करने के लिए जगह प्रदान करते हैं हाल के दिनों में सोशल मीडिया के जरिये मुस्लिम युवाओं का कट्टरवाद की ओर रुझान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर खतरा बनकर उभरा है। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) और अल-कायदा जैसे आतंकवादी संगठनों ने अपनी बातें फैलाने और मुस्लिम युवाओं को संगठित करने के लिए ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप का दुरुपयोग किया है। अक्सर वे हिंसा को उचित ठहराने के लिए धार्मिक प्रवचन का उपयोग करते हैं। उग्रवाद की विचारधारा विभिन्न स्रोतों से आती है, जैसे मुस्लिम युवाओं के मामले में, आतंकवादियों द्वारा जिहाद और शहादत जैसी इस्लामी अवधारणाओं का दुरुपयोग उनके पुनर्वास में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस खतरनाक प्रवृत्ति से निपटने के लिए, मुस्लिम नेताओं, विद्वानों और संगठनों को इन आख्यानों का खंडन करने और मुस्लिम युवाओं को ठोस प्रामाणिक इस्लामी शिक्षाओं पर आधारित एक वैकल्पिक प्रवचन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस संदर्भ में मुस्लिम विद्वानों और इस्लामी संगठनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। उनके पास चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला करने के लिए धार्मिक अधिकार और आवश्यक सामाजिक प्रभाव है, जो युवाओं के लिए विश्वसनीय विकल्प प्रदान करता है। विद्वानों और मुस्लिम संगठनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक इस्लामी धर्मग्रंथों की विकृत व्याख्याओं को चुनौती देना है जिसके माध्यम से चरमपंथी समूह प्रचार करते हैं, वह सही और सच्चाई की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं, जो कि एक व्यक्तिगत और व्यापक प्रयास होगा स्वयं और समाज का विकास करना, न कि हिंसा भड़काना। इस्लाम के विद्वानों को जीवन की पवित्रता के बारे में प्रचार करना चाहिए क्योंकि कुरान स्पष्ट रूप से कहता है कि एक व्यक्ति की हत्या पूरी मानवता की हत्या के समान है (कुरान 5:32) ऐतिहासिक प्रस्तुत करके प्रति-आख्यान प्रस्तुत किया जा सकता है और एकता, अखंडता संवाद और अंतरधार्मिक समर्थन के समसामयिक उदाहरणों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि ये संदेश युवाओं तक इस तरह पहुंचें जो उनके अनुभवों और चिंताओं के अनुरूप हों। यहीं पर मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग आवश्यक हो जाता है। सोशल मीडिया चरमपंथ के लिए युद्ध का मैदान बन गया है। मुस्लिम विद्वानों और संगठनों को इन प्लेटफार्मों पर युवाओं को शामिल करना चाहिए। सदस्यों और शैक्षिक क्षेत्रों से चरमपंथी विचारधाराओं की निंदा करना पर्याप्त नहीं है, ये आवाजें उन स्थानों तक पहुंचना महत्वपूर्ण है जहां चरमपंथ पनपता है। विद्वान और नेता ऐसी सामग्री बनाते हैं, चाहे वह लघु वीडियो, ब्लॉग और इन्फोग्राफिक्स के रूप में हो, जो चरमपंथी समूहों द्वारा फैलाई गई गलतफहमियों को तुरंत दूर कर सकती है, उदाहरण के लिए, क्विलियम फाउंडेशन पहले से ही मौजूद है ब्रिटेन में चरमपंथ विरोधी और शांति कार्यक्रमों में नेतृत्व करते हुए, मुस्लिम युवाओं को ऑनलाइन वैकल्पिक संदेशों से जोड़ा जा रहा है की अतिवादी व्याख्याओं के विरुद्ध लड़ना संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वाब केंद्र ट्विटर पर आईएसआईएस के प्रचार का मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। प्रयासों को बढ़ाया जाना चाहिए और स्थानीय दृष्टिकोण के साथ, जो विभिन्न स्थानों के सामाजिक संदर्भों और विशेष संस्कृतियों के अनुकूल हो एक शून्य, यह अक्सर सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक कारकों जैसे हाशिए पर रहने की भावना, अवसर की कमी और मुस्लिम विद्वानों और संगठनों द्वारा इन मूल कारणों को संबोधित किया जाता है। युवा लोगों को शिक्षा, रोजगार के अवसर प्रदान करने और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देकर सामाजिक व्यवस्था को बढ़ावा देने में एक महान भूमिका निभा सकते हैं। स्थानीय मस्जिदों, सामुदायिक केंद्रों और इस्लामी कल्याण संगठनों को जोखिम वाले युवाओं तक पहुंचने और उन्हें सलाह कार्यक्रम, परामर्श और मनोरंजक गतिविधियां प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, वे एक समावेशी और शांतिपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज और प्रभावी शैक्षणिक संस्थानों के साथ काम कर सकते हैं जो प्रतिक्रियाशील के बजाय सक्रिय हो। इसमें अंतरधार्मिक संवाद पहल भी शामिल हो सकती है, जो विभिन्न पक्षों के बीच समझ को बढ़ावा देती है और चरमपंथी समूहों द्वारा शोषण की जाने वाली आर्थिक और राजनीतिक शिकायतों का समाधान करती है। सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथ की ओर मुस्लिम युवाओं का रुझान एक जटिल और बहुआयामी चुनौती है जिसके लिए एक चुस्त और सावधानीपूर्वक तैयार की गई प्रतिक्रिया की आवश्यकता है, जबकि कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियां आतंकवाद से लड़ती हैं,

कहानी

प्रतिभा शुक्ला

कुम्भ कथा

❒ अम्मा का धर्म अपना है। मानव धर्म से ज्यादा कर्मकांड के साथ देव पूजा। इस कर्मकांड के लिए किसी भी तरह के विपद और जटिल चुनौतियों के लिए तत्पर रही हैं। पूरे पचहत्तर साल की हो चुकीं। आम तौर पर बीमार सी नजर आती अम्मा की देह में धर्म की बात आते ही जाने कहाँ से पंख लग जाते। कूद कर खड़ी हो जाती। एकदम चपल बालिका की तरह। फिर बड़े से बड़ा जानकार भी अम्मा के पीछे। अम्मा सबसे समझदार।

अम्मा में सब की आस्था। जिनके पास अम्मा के प्रति आस्था नहीं, वह पापी और घमंडी। अभी पिछले साल की ही तो बात है। एक दिन अम्मा नाराज न थी। पता नहीं क्यों। मैं उनके सर पर तेल रख रही थी। वे एकटक छत की ओर निहार रही थीं। आँखों में कुछ उम्मीदें साफ़ नजर आ रही थीं, पर अम्मा के लबों पर उतर न पा रहे थे। मुझसे रहा न गया, क्या बात है अम्मा जी? कुछ कहना चाहती हैं? अब का बताएं बिटिया। हमरो मन कर रहा है कि हर साल कल्पवास कर लें। बिटिया तू बात कर उससे। उसने मेरी हर इच्छा पूरी की है। बस यही आखिरी इच्छा है। फिर कभी कुछ न कहूँगी। अम्मा की यह फरियाद मन

तक भिगो गयी। हमेशा बरसने वाली अम्मा जी ऐसे समय पर कितनी करुण हो जाती हैं। कोई बात नहीं। पति के रहते जो लालसाएं न पूरी कर पायीं, उसे जरूर पूरी करा देनी चाहिए। आखिर बेटा-बहू का इससे बड़ा धर्म क्या हो सकता है। शायद यह प्रभु का संकेत ही है।

अम्मा की सारी खरीदारी हो गयी। दरवाजे पर गाडी खड़ी हुई तो उनकी पूरी गृहस्थी उस पर सजा दी गयी। एक किलो सुपारी और ढाई सौ ग्राम जर्दा के साथ। पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने पाँव छुए और अम्मा जी का लाड बरस पड़ा। हजार नियामतों के साथ वह विदा हुयी तो आँखों में करुणा उतर आई। दिल से निकला, प्रभु तू सब का खेवनहार। अम्मा की रक्षा करना। इनके हर मनोरथ पूरा करना। हफ्ते भर बीते थे कि अम्माजी का बुलावा आ गया। सबकी बहू-बेटियां पहुँच कर शामिल हो रही हैं।अम्मा के भी परिवार का कोई न कोई तो पहुंचना चाहिए। वरना आदमी का कद छोटा हो जाता है। मैं पहली बार कुम्भ आई थी। चारो ओर छोटे-छोटे घरौंदे और मुंड। किसिम किसिम के लोग। धार्मिक कोहराम लाउड स्पीकरों के माध्यम से कान फोड़ रहा था। बिजली के लट्टू इफरात संख्या में टिमटिमा रहे थे। किसी सड़क पर पाँव रखने की जगह न थी। किसको कौन धकियाते जा रहा है, किसी को परवाह नहीं। धर्म क्षेत्र में किसी की नीयत खराब हो सकती है भला!

अम्मा जी के टेंट में घुसते ही मन खराब हो गया। हमने तो अम्मा जी को अकेले ही भेजा था, पर यहाँ तो मजमा लगा है! बड़ी वाली मौसी और उनके बेटे भी हैं, जिन्होंने हमसे तीन साल से रिश्ता तोड़ लिया है। मझली मौसी और भी दो महिलायें। झोरा-बोरा का जैसे अड़ार लगा हो। सर पर पल्लू रख सबके पाँव छुए। सबके ठहाके बंद हो गए। मैं अम्मा जी के पास जाकर बैठ गयी।भांजा साथ में था। बोली, बेटा मैं यहाँ नहीं रहूंगी। मेरी व्यवस्था अपने कमरे पर कर दो। सुबह आ जाऊंगी। मैंने अपने पति से भी बात कर सूचित कर दिया।

टेंट में बालू भरा था। उसी पर पुवाल डाल कर बिस्तर लगाये गए थे। द्वार के बगल में अस्थाई किचेन बनाया गया था, जहाँ सिलेंडर बालू में बर्नर तक धंसा था। इर्द-गिर्द बर्तनों का अम्बार। रिश्तेदारों के सामान कोढ़ में खाज की तरह बिखरे थे। बड़ी मौसी ने चाय बनाई। हमने साथ बैठ कर चाय का लुत्फ़ लिया।कल्पवासी एक वक्त के अहारी होते हैं। वह भी स्वपाकी। या फिर कोई ऐसा व्यक्ति जो पूरे कल्पवास तक रह सके, वह बना सकता है। शेष लोग उसके सहयोगी। कोई बरतन धुलेगा तो कोई सफाई करेगा और कोई चाय बनाएगा। पुन्य हासिल करने के इच्छुक लोग चाहें तो उनके पावों की मालिश कर सकते हैं। इसलिए भोजन केवल मेहमानों का बना, जो उनके सहायतार्थ उपस्थित हैं और घर के सदस्य हैं। मेरे भीतर बचपन की चुनौती वाला स्वभाव जागा। अब मन बदल गया था। लगा यही रहो और इसका भी लुत्फ़ उठाओ। भांजा लौट गया।

व्यंग्य

शशिकांत सिंह

क्या आपके घर में

❒ अगर आपको पता नहीं है और आप पंचायत के चुनाव लड़ने के ख्वाहिशमंद हैं तो कहीं से अब पता कर लें कि इस बार पंचायत के पंच सरपंच के चुनाव वो ही लड़ सकेंगे जिनके घरों में शौचालय होंगे। यानि कि अगर घर में टॉयलेट नहीं तो पंचायत भी नहीं,फिर जिसके घर में टॉयलेट नहीं है तो वो कहीं बाहर शौच करो और अपने घर में ही पंचायती करो, पंचायत भवन में जाकर नहीं। इसे आप हमेशा की तरह यूं ही मत लेना कि सरकारी घोषणाएं हैं,होती ही रहती है. किसी का क्या बिगड़ जायेगा। इस बार सरकार इस प्रावधान को लागू करने के लिए पंचायतीराज में संशोधित अध्यादेश जारी करने पर आमादा हैं, यहां तक कि इस अध्यादेश को कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी हैं,विधि विभाग ने विधिवत इसका अध्ययन कर लिया हैं और आगे भेजने वाला हैं। वैसे तो सारा काम गुप चुप ही हुआ था मगर न जाने कैसे खबरों में आ गया। अगर गौर किया जाये तो काफी हद तक ठीक भी हैं कि जिनको पंचायती के चुनाव लड़ने हैं उनको समय रहते मालूम हो गया और शौचालय बनवा लेने के लिए पर्याप्त समय तो मिल ही गया,रही बात शौचालय बनवाने के लिए धन की व्यवस्था की,जिसकी वो खुद जाने, यह उसकी अपनी समस्या है, पंचायत के चुनाव उसको लड़ने हैं, इससे सराकर को क्या लेना देना।

कई बार तो हमें किसी बात को बिना समझे ही मजबूरन समझ जाने की मुद्रा में गर्दन हिला कर संकेत यह सोच कर देना पड़ता हैं कि हमारे अलावा सारे लोग इस बात को समझ गए हैं, अगर अब हमने समझ जाने की घोषणा में जरा सी भी देर की तो लोग हमें नासमझ नहीं तो मंद बुद्धि तो जरूर समझ लेंगे। ठीक उसी तरह देखा जाये तो ये मामला भी लगता तो सीधा सा हैं मगर हैं जरा देरी से समझ में वाला हैं। पंचायत के चुनाव लड़ने वाले के पास चाहे और कुछ भी नहीं हों मगर एक घर में एक शौचालय होना ही चाहिए। इस बात से उसके चुनाव लड़ने पर कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके पास घर, रोटी, कपड़ा और बाकी जरूरत की सारी चीजें उपलब्ध हैं भी अथवा नहीं। अब शौचालय भी आदमी की योग्यता के मुल्यांकन का मापदण्ड बन गया हैं। जिसके घर में शौचालय हैं वो ही पंचायत में बैठ कर ठीक से सच का पक्ष ले सकता हैं और पीड़ित पक्ष के साथ न्याय कर सकता हैं,नरेगा के कार्यों में वित्तीय गड़बड़ियां नहीं कर सकता हैं आदि आदि हमने तो यही पढ़ा है कि हमारे ऋषि मुनि भी दिशा मुक्त होने जंगल में ही जाते थे उनके घर ही नहीं होता था। एक कुटिया जिसे आश्रम कहते थे,बस उसमें रहते थे उनके पास शौचालय नहीं होता था। हमारी भी आदि काल से यही परिपाटी रही है कि हम घर में बैठ कर खाना खाओ और बाहर जा कर मल त्याग करो,मगर अब जो आधुनिक संस्कृति आई है वो इसका उल्टा क्रम ले कर आई है कि बाहर होटल में खाना खाओ और घर के अन्दर शौचालय में मल विसर्जन करो। हमारे गांवों में तो अभी भी लोग सुबह जल्दी उठ कर अपने अपने खेतों में जाकर ही नित्य क्रम करते हैं,उनके तो मुफ्त में मोर्निंग वाक हो जाती हैं। हां इतना जरूर है वो सुबह अपने साथ कोई कुत्ता नहीं ले कर जाते बल्कि उनके सर पर गोबर की तगारी और हाथ में अपनी पालतू गाय या बकरी की रस्सी होती हैं।

जिस तरह से गांवों वालों को खेतों की सुविधा हैं वैसे ही जिन शहरों, कस्बों से हो कर रेल लाइनें गुजरती हैं उनकी वहां के वाशिंदों को दोहरी सहूलियतें हासिल हैं।उनको सस्ती और फ्री की यात्रा की सुविधा तो है ही इसके साथ साथ रेल की पटरियों के दोनों तरफ जो बेकार जगह पड़ी होती हैं उसका इस्तेमाल वो शौच निवृति के लिए भी तो धड़ल्ले से करते हैं। यूं तो सरकार ने पंचायतीराज में संशोधित कर इस प्रावधान को लागू कर भी दिया तो भी घबराने की कोई बात नहीं, क्यों कि सुनने में आ रहा हैं कि सिर्फ हलफनामा देने मात्र से ही काम चल जायेगा, टॉयलेट होने के भौतिक सत्यापन की कोई शर्त नहीं हैं। अगर किसी पंचायत के पंच सरपंच के चुनाव लड़ने वाले ने अपने धर के किसी कोने में चौखट पर किंवाड़ खड़ा कर दिया या यूं ही पर्दा ही लटका कर ऊपर लिख दिया 'शौचालय' तो ऐसे में उस किवाड़ या परदे को हटा कर अन्दर झांकने की किसी की हिम्मत ही नहीं होगी कि यहां शौचालय है भी कि नहीं।

आलेख

वीणा भाटिया

अच्छे मित्र बाजार में नहीं बिकते

❒ दो अक्षर के इस शब्द मित्र का मर्म जितना गहरा है, कर्म उतना ही कठिन है। जीवन यात्रा में हम आए दिन सैकड़ों लोगों से मिलते हैं और अब तो फेसबुक हमें हजारों दोस्तों के संपर्क में ला रहा है। उनसे हमारे संबंध विभिन्न स्तरों पर बनते हैं और बिगड़ते भी हैं। अपरिचित भी परिचित बन जाते हैं और कभी-कभी वक्त का तकाजा कहिए या परिस्थितियों का चक्कर कि परिचित भी अपरिचित-से लगने लगते हैं। संपर्क में आए सभी लोगों से हमारी एक-सी ही आत्मीयता, घनिष्ठता या मित्रता नहीं होती, यह संभव भी नहीं है।

कई लोग मित्र बनाने में बहुत जल्दबाजी से काम लेते हैं। उनका परिचय तुरंत मित्रता में बदल जाता है और वे इसे अपनी विशेषता मानते हैं, लोकप्रियता मानते हैं। हो सकता है कि जल्दबाजी में हुई आपकी इस घनिष्ठता ने आपको एक सच्चा मित्र दे दिया हो, पर यह अपवाद भी हो सकता है। और अपवादों से जीवन नहीं जिया जाता। ऐसा भी हो सकता है कि जल्दबाजी में हुई आपकी मित्रता का सूत्र ढीला हो और बुनियाद खोखली। बाद में आपको लगे कि आप मित्र बनाने की कला में पारंगत नहीं हैं और धोखा खा गए। सच्चा मित्र पा लेने का मतलब जिंदगी की जंग जीत लेने जैसा ही होता है। कभी-कभी किसी के प्रति मन चुंबक की भांति आकर्षित होता है। जिस व्यक्ति को आप मित्र बनाना चाहते हैं, वह भी आपका मित्र बनने का उत्सुक होता है। कभी-कभी अपना मन भी साक्षी दे देता है और इंट्यूशन काम कर जाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि आप स्वयं कितने ही अच्छे मित्र क्यों न हों, पर यदि आपका मित्र आपके प्रति निश्छल नहीं है तो आपका सारा प्रयास बालू में तेल निकालने के समान व्यर्थ साबित हो जाता है।

अच्छा और सच्चा मित्र बनाने के इस गंभीर मसले को बड़ी गहराई और विवेक से हल करें। दूरदर्शिता और पैनी दृष्टि का सहारा लेकर यह मापने का प्रयत्न करें कि अमुक व्यक्ति की मित्रता आपके हक में ठीक है भी या नहीं? आपके मित्र आपके व्यक्तित्व के परिचायक होते हैं। आप कैसे लोगों से मिलते हैं, आपकी मित्रता कैसे लोगों से है, इससे लोग अंदाजा लगा लेते हैं कि आप स्वयं किस प्रकार के व्यक्ति हैं। कहते है मित्रविहीन मनुष्य के लिए अपनी कठिनाइयों पर विजय पाना बहुत मुश्किल होता है। इसलिए एक अच्छे मित्र का होना आवश्यक है, पर एक बुरे मित्र से मित्र का न होना ही बेहतर है, क्योंकि मित्र की अच्छी या बुरी संगति का असर पड़े बिना नहीं रह सकता।

कई बार किसी अच्छे मित्र का नाम लेकर लोग मिसालें दिया करते हैं कि दोस्त हो तो ऐसा, देखो भई दोस्ती इसे कहते हैं आदि-आदि। अच्छे मित्र के विशेष गुणों की व्याख्या से हमारे शास्त्र, वेद और पुराण भरे पड़े हैं। सज्जन लोगों ने अच्छे मित्रों के लक्षण बताते हुए कहा है कि एक अच्छा मित्र अपने मित्र के गुणों को प्रकाश में लाने का प्रयास करता है। एक अच्छा मित्र अपने मित्र को उसकी अच्छाइयों और बुराइयों के साथ अपनाता है। अच्छे मित्र पैदा नहीं होते, बनाए जाते हैं। मित्रता की बेल को सहयोग और सद्भावना से सींचते रहना पड़ता है। सबसे बड़ी बात है कि दो मित्रों का एक-दूसरे पर विश्वास हो और संवेदनशील दृष्टिकोण हो। एक सच्चा मित्र प्रतिशोध और प्रतिस्पर्द्धा की भावना कभी नहीं रखेगा। मित्र की सफलताएं उसके मन में ईर्ष्या और विद्वेष उत्पन्न नहीं करेंगी, बल्कि वह उन सफलताओं को अपनी सफलता मान कर स्वयं गौरवान्वित महसूस करेगा।

एक अच्छा मित्र बनने के लिए बहुत जरूरी है अपने बड़प्पन, मान-सम्मान और धन-दौलत के सामने मित्र को कदापि छोटा नहीं महसूस होने देना। कृष्ण और सुदामा की मित्रता कुछ इसी संदर्भ में याद की जाती है। गलती इंसान से ही होती है, आपके मित्र से भी हो सकती है। हर छोटी-मोटी गलती को मुद्दा न बनाएं। कब मौन रह जाना है, कब कितना कहना है और कैसे कहना है, यदि आप जानते हैं तो आपकी यह खूबी आपकी मित्रता को रसमय बनाए रखेगी।

मित्रता को 'टेकेन फार ग्रांटेड' जानकर मित्र की हर बात में इतनी दखलन्दाजी न करें कि वह आपसे बोर हो जाए। हर संबंध की एक सीमा होती है, चाहे वह संबंध रिश्तेदारी का हो या मित्रता का। आपकी समझदारी और दूरदर्शिता इसी में है कि आप सीमाओं का उल्लंघन न करें। तभी आपकी मित्रता स्थिरता, प्रौढ़ता और परिपक्वता पा सकेगी। कहीं ऐसा न हो कि आपकी नादानी से एक अच्छा मित्र बनने से रह जाए या सच्चा मित्र पाकर भी आप उसे खो दें.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC
डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,
डॉ.अतुल तेलरांदे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 3 दिसंबर 2024

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन

> समानता से रहने का दिया गया संदेश

गढ़चिरोली: 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में, इस वर्ष के नारे "मार्ग हक्काचा सन्मानाचा" के साथ जिला सर्जन माधुरी किलनाके की अध्यक्षता में आज जिले भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, मेडिकल विश्वविद्यालय के सहयोग से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिले में एचआईवी एड्स रोगियों को "सम्मान के तरीके" के आधार पर जिला सर्जन द्वारा शपथ दिलाई गई उन्होंने कहा कि सभी तंत्रों को सरकार की उपलब्ध सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी देकर एड्स की रोकथाम के लिए काम करना चाहिए.

इस अवसर पर जिला महिला एवं बाल अस्पताल, गढ़चिरौली के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशांत आखाडे डॉ. बागराज धूर्वे, डॉ.साखरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश भांडेकर, सीएसओ डॉ.अभिषेक गव्हारे, जिला महिला एवं बाल सामान्य चिकित्सालय अधिकारी, एआरटी, आईसीटीसी एवं विहान परियोजना स्टाफ भी उपस्थित थे।

रैली की शुरुआत सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एड्स विरोधी शपथ लेकर रैली को हरी झंडी दिखाकर की गई। रैली जिला महिला एवं बाल अस्पताल से गांधी चौक, कारगिल चौक और वापस जिला महिला एवं बाल अस्पताल, गढ़चिरौली तक संपन्न हुई। रैली में महाविद्यालय एवं नर्सिंग महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पर्चे बांटकर एवं नारे लगाते हुए एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाई। साथ ही, नर्सिंग कॉलेज डिस्ट्रिक्ट जनरल हॉस्पिटल, गढ़चिरौली के छात्रों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया और बस स्टेशन पर जन जागरूकता पैदा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीटीसी काउंसलर राजेश गोंडाने ने की तथा अधिसेविका रामटेके ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया.

आंगनवाड़ी सेविकाओं की समस्याओं को लेकर सीटू का धरना आंदोलन।

> विधायक मसराम ने लिया आंदोलन का जायजा

गढ़चिरोली:

सीटू संगठन की ओर से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की मांगों को लेकर जिला परिषद गढ़चिरौली में विरोध प्रदर्शन किया गया. सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है कि आंगनवाड़ी महिला कार्यकर्ताओं को ग्रेच्युटी दी जाए, उसे लागू किया जाए, गुजरात के अहमदाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को क्लास 3 और 4 का दर्जा दे, दिवाली गिफ्ट का तुरंत 2000 रुपए दिए जाएं लाडली बहन का फॉर्म भरने की जिम्मेदारी आंगनबाडी महिलाओं को दी गई थी जिसमें लाडली बहन योजना की घोषणा के अनुसार फार्म भरने की मेहनत के लिए 50 रुपये देने की घोषणा की गई। इन सभी मांगों को लेकर गढ़चिरौली कलेक्टर के माध्यम से एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को दिया गया.

इस मौके पर सीटू आंदोलनकार्योंसे मुलाकात करने आए आरमोरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामदास मसराम ने आंदोलन को संबोधित किया और अपने भाषण में कहा कि वह उक्त मांगों के लिए प्रयास करेंगे।

इस मौके पर सीटू संगठन की ओर से विधायक बनने पर उनका अभिनंदन किया गया. इस आंदोलन के लिए कॉम. रमेशचंद्र दहिवले, कॉमरेड अमोल मारकवार, कॉमरेड राजेश पिंजरकर, शारदा लेनगुरे, ललिता चौधरी, विमल गावड़े, सुशीला करनैवार, संध्या खनके, सुरेखा तित्रे, प्रणिता लांडगे, शोभा राहुलकर, वंदना जिवने, सुनंदा बावने, विठाबाई भट्ट, माया शेडमाके, मायाबाई नैनुरवार, ललिता केदार, सहित जिले की 1200 आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित रहीं।

गढ़चिरोली-चिमूर लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए विशेष वित्तीय पैकेज प्रदान करें

> सांसद डॉ. नामदेव किरसान की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मांग

गढ़चिरोली: गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद डॉ. नामदेव किरसान ने अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को पूरा करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संसद भवन कार्यालय में उनसे मुलाकात की.

चूंकि गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र एक बहुत ही दूरस्थ और पिछड़ा क्षेत्र है, लोकसभा क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में अभी तक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं हुआ है, कई गांवों में सड़क, बिजली, स्वास्थ्य केंद्र नहीं हैं, जिसके कारण कई नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी है . लोकसभा क्षेत्र में रोजगार का कोई बड़ा साधन नहीं होने के कारण लोकसभा क्षेत्र में बेरोजगारी दर भी बढ़ती जा रही है, ऐसे में सांसद डॉ. नामदेव किरसान ने अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को पूरा करने की मांग केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने रखी है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान

> नगर निगम क्षेत्र में 67448 बच्चों को कृमिनाशक गोली खिलाई जाएगी

चंद्रपुर.

राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, 4 दिसंबर को नगरपालिका क्षेत्र में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा और इस दिन 1 से 19 वर्ष की आयु के 67448 लड़के और लड़कियों को स्कूलों में कृमि नाशक गोलियाँ दी जाएंगी और आंगनबाड़ियाँ भी इसमें शामिल है. साथ ही जो लड़के-लड़कियां 4 दिसंबर को गोली नहीं खा सके उन्हें 10 दिसंबर को मॉप अप राउंड के माध्यम से कृमि नाशक गोली दी जाएगी।

बच्चों और किशोरों में कृमि मुक्ति से निपटने के लिए फरवरी 2015 में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम फरवरी और अगस्त महीने में दो बार स्कूलों और आंगनबाड़ियों में एक ही निश्चित दिन पर कृमिनाशक गोलियाँ देकर आयोजित किया जाता है, विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार, दो कृमि मुक्ति अभियानों के बीच का अंतर अधिक नहीं होना चाहिए। मृदा जनित कृमि के प्रसार को रोकने के लिए 6 महीने। इसलिए, अधिकतम लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए दिसंबर में एक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान आयोजित किया जा रहा है।

1 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों में आंतों के कृमि स्वच्छता की कमी के कारण मिट्टी से फैलने वाले कृमियों के कारण होते हैं। कृमि संक्रमण एनीमिया और कुपोषण का कारण है जो बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक विकास को रोकता है। इसके लिए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 1 से 19 वर्ष तक के सभी लड़के-लड़कियों को उनके स्वास्थ्य की रक्षा, बेहतर पोषण स्तर, शिक्षा और उनकी गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र स्तर पर कृमि नाशक गोलियाँ दी जाती हैं।

कृमि संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कृमिनाशक गोलियाँ लेने के अलावा, हाथ धोना, शौचालय का उपयोग करना, सब्जियों और फलों को अच्छी तरह से खाना, नियमित रूप से नाखून काटना और साफ करना, बाहर जाते समय जूते या जूतों का उपयोग करना और आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखना आवश्यक है. यह अभियान शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से चलाया जाएगा।

इस गोली को लेने से कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। हालाँकि, यदि बच्चे के शरीर में कीड़ा मौजूद है, तो बच्चे को मामूली पेट दर्द, जलन या दुर्लभ मामलों में उल्टी हो सकती है। चूंकि ये दुष्प्रभाव मामूली हैं, इसलिए माता-पिता को घबराना नहीं चाहिए। यह गोली लाभार्थी के हाथों के बजाय सीधे उसके सामने दी जानी चाहिए। यह गोली 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जाती है 2 साल तक के बच्चों को आधी गोली, 2 से 3 साल के बच्चों को 400 ग्राम की पूरी गोली पानी के साथ लेनी चाहिए। गोली लेने के बाद साफ पानी पीना और कम से कम 2 घंटे स्कूल में रुकना जरूरी है।

रेडलाइट एरिया की 7 महिला एड्स ग्रस्त, सतर्कता बरतने की अपील

चंद्रपुर .

स्थानीय गौतम नगर के कुछ क्षेत्र को रेड लाइट एरिया घोषित हैं. इस इलाके में वेश्यावृत्ति होती है. लगातार कहा जाता है कि महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी इस बिजनेस को करते समय जरूरी सावधानी बरतनी चाहिए. फिर भी कई लोग अपनी सेहत का ख्याल न रखते हुए मनमानी करते हैं. इस क्षेत्र की महिलाएं नियमित चिकित्सा परीक्षण से गुजरती हैं. कुछ दिन पहले यहां की सभी महिलाओं का मेडिकल टेस्ट किया गया था. सात महिलाएं एचआईवी संक्रमित पाई गईं. विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेज थी. इसलिए मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद भी मामले पर गौर नहीं किया गया. हालांकि, चुनाव खत्म होते ही एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को चंद्रपुर सिटी पुलिस स्टेशन में बुलाया गया है और उन्हें व्यापार करने से सख्त मना किया गया है. मेडिकल जांच में सात महिलाओं के एचआईवी से संक्रमित होने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने इन सभी महिलाओं को कारोबार ना करने का सख्त आदेश दिया है. इस बीच इलाके में एचआईवी संक्रमण मिलने के बाद चिंता भी व्यक्त की जा रही है.

गौतम नगर के रेड लाइट एरिया में सात वेश्याओं के मेडिकल परीक्षण में एचआईवी से संक्रमित होने की बात सामने आने के बाद उन्हें कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है. सामाजिक तौर पर गंभीर मामला होने के कारण इस मामले पर नजर बनाए हुए है.

मुल में धान खरीद के लिए दो पंजीकरण केंद्र बढ़ाएं : मुनगंटीवार

चंद्रपुर

मुल तालुका में बाजार समिति के धान खरीद केंद्र पर भारी भीड़ है। भले ही समय सीमा बढ़ा दी गई है, लेकिन भीड़ के कारण किसानों को ऑनलाइन पंजीकरण के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में बेम्बल और चिरौली गांव में दो ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेंटर बढ़ाए जाएं ऐसे निर्देश सुधीर मुनगंटीवार ने जिला विपणन अधिकारी को दीये है.

दो ऑनलाइन पंजीकरण केंद्र बढ़ाने की आवश्यकता मुल के पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष चंदू मार्गोनवार और भाजपा नेता प्रवीण मोहुरले और उनके प्रतिनिधिमंडल ने बताई थी। मांग का तत्काल संज्ञान लेते हुए सुधीर मुनगंटीवार ने जिला विपणन अधिकारी को ऑनलाइन पंजीकरण केंद्र के विस्तार के संबंध में निर्देश दिए हैं.

मूल बाजार समिति का एक ही पंजीकरण केंद्र है। इसलिए, मुल तालुका के किसान बड़े पैमाने पर इस पंजीकरण केंद्र पर पहुंच रहे हैं। धान बोनस के पंजीयन से कोई भी वंचित न रहे, इसलिए सुधीर मुनगंटीवार ने जिला विपणन अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिये हैं.

चंद्रपुर शहर पुलिस की सतर्कता से दो लोगों की जान बची

चंद्रपुर. शहर के महाकाली कोयला खदान परिसर के आनंद नगर में एक व्यक्ति किसी को जान से मारने के उददेश से देशी कट्टा लेकर घुमने की गुप्त सूचना शहर पुलिस स्टेशन की पुलिस उपनिरिक्षक संदिप बच्छीरे को मिली. सूचना के आधार परिसर में जाल बिछाकर आरोपी कनैया उर्फ मुन्ना ठाकुर रघुनाथसिंग राठोड 53 को हिरासत में लिया. पुलिस ने आरोपी से देशी कट्टा और 4 कारतूस ऐसा कुल 18 हजार का माल जब्त किया. आरोपी का नाम पुलिस रेकार्ड पर दर्ज था. पुछताछ के पश्चात आरोपी ने बताया कि, कुछ दिन पहले दो व्यक्तिओं ने परिवार के सदस्यो के साथ मारपीट की. उसका गुस्सा निकालने के लिए उन्हे जान से मारने के उद्देश से देशी कट्टा और 4 कारतुस लेकर उनका पीछा कर रहा था ऐसी जानकारी दी. उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक रीना जनबंधु के मार्गदर्शन में उपविभागीय पुलिस अधिकारी सुधाकर यादव, पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके के नेतृत्व में संदीप बच्छिरे, सचिन बोरकर, संतोषकुमार कनकम, कपूरचंद खैरवार, इमरान खान, राजेश चिताडे, रूपेश रणदिवे, दिलीप कुसराम, इरशाद खान, विक्रम मेश्राम, रूपेश पराते, शाबाज़ सैयद, सारिका गोरकर ने की.

सुंदर माझे उद्यान और सुंदर माझा ओपन स्पेस प्रतियोगिता

> बियानी नगर उद्यान और वाघोबा बहुउद्देश्यीय सामाजिक संगठन विजेता रहे.

> 1 लाख नकद पुरस्कार और इलाके के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 11 लाख रुपये.

चंद्रपुर. चंद्रपुर नगर निगम द्वारा 15 सितंबर से 25 अक्टूबर तक आयोजित "सुंदर माझे उद्यान" और "सुंदर माझी ओपन स्पेस प्रतियोगिता" के विजेताओं की घोषणा की गई और तुकुम में बियानी नगर उद्यान को 1 लाख और बाबूपेठ में वाघोबा मल्टी पर्पस सोशल सोसाइटी को 1 लाख का पुरस्कार दिया गया। सुंदर माझी मुक्ताकाश प्रतियोगिता में 1 लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसके अलावा ये दोनों संस्थाएं अपने क्षेत्र में 11 लाख रुपए के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य भी करा सकेंगी। नगर पालिका द्वारा तृतीय पक्ष परीक्षक के निरीक्षण के बाद उक्त परिणाम घोषित किया गया है।

नगर पालिका द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 23 टीमें पंजीकृत थीं। बाद में, कुछ टीमें प्रतियोगिता से हट गईं, जबकि 11 पार्कों और 8 खुले स्थानों, कुल 20 टीमों ने पार्कों और खुले स्थानों के सौंदर्यीकरण का काम पूरा किया। प्रतियोगिता अवधि के अंत में सभी टीमों ने अपना कार्य प्रस्तुत किया। वास्तविक स्थल और प्रस्तुति को देखने के बाद तीसरे पक्ष के पर्यवेक्षकों द्वारा अंक दिए गए।

उद्यान प्रतियोगिता में बियानी नगर गार्डन प्रथम, गजानन महाराज मंदिर गार्डन द्वितीय तथा जटपुरा बालोद्यान नगीनाबाग टीम तृतीय स्थान पर रही। इसके अलावा लॉक डाउन ग्राउंड उद्यान, आदर्श उद्यान, महात्मा बसवेश्वर उद्यान, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ओम नगर उद्यान को 3-3 लाख रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार मिला है।

ओपन स्पेस प्रतियोगिता में बाबूपेठ के वाघोबा बहुउद्देश्यीय सामाजिक संगठन को प्रथम पुरस्कार, अथर्व कॉलोनी ओपन स्पेस को द्वितीय पुरस्कार और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज संघ को तृतीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा जेष्ठ नागरिक संघ महेश नगर, पसाईदान जेष्ठ नागरिक संघ, मान शारदा ओपन स्पेस, संत तुकडोजी महाराज बालोद्यान, रिया नृत्य परिवार कृषि भवन को 3-3 लाख रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार मिला है।

प्रतियोगिता में जनभागीदारी से शहर के लिए किये गये कार्य -

1. भाग लेने वाली टीमों द्वारा लगभग 30 हजार 500 वर्ग फुट के क्षेत्रफल की दीवारों पर शानदार पेंटिंग की गई।
2. शहर में लगभग 2500 पेड़ लगाए गए।
3. टिकाऊ सामान बनाने में लगभग 12 हजार किलोग्राम बेकार प्लास्टिक का उपयोग किया गया।
4. गीले सूखे कचरे के लिए 89 कचरा पात्र बनाये गये।
5. प्लास्टिक प्रतिबंध और कपड़े के थैलों के इस्तेमाल के मुद्दे पर 20 पार्क और ओपन स्पेस एसोसिएशन ने 19 वार्डों में रैलियां निकालीं।
6. 10 मूर्तियां और फव्वारे बनाए।
7. 20 कम्पोस्ट पिट एवं 21 एट्रोफी पिट बनाये गये
8. खुले स्थान में 7 उपयोगी मैदान बनाये।
9. कुल 3400 नागरिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल थे।

सांसद धानोरकर ने लोकसभा में केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया

चंद्रपुर.

लोकसभा का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू हो गया है और चंद्रपुर-वणी-आर्णी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की सांसद प्रतिभा धानोरकर ने विभिन्न सवालों के जरिए केंद्र सरकार को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है.

दिल्ली में चल रहे लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान चंद्रपुर-वणी-आर्णी लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रतिभा धानोरकर ने सत्र के पहले सप्ताह में विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से सत्र में सभी आम लोगों के सवालों को उठाया। इसमें मुख्य रूप से किसानों को तुरंत बिजली मुहैया कराने की सरकार की योजना के बारे में पूछा गया. इसके साथ ही सांसद धानोरकर ने राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदमों के बारे में भी सवाल के जरिए सरकार से पूछा. साथ ही केंद्र सरकार से देश में सौर ऊर्जा से जुड़े विदेशी निवेश के बारे में पूछा गया. सांसद प्रतिभा धानोरकर ने केंद्र सरकार पर ध्यान दिलाते हुए कहा कि सकल घरेलू आय में कमी आई है, सरकार बढ़ती महंगाई के साथ कम वेतन वाले परिवारों को कैसे सामंजस्य बिठाएगी। इस संबंध में सांसद धानोरकर ने केंद्र सरकार से यह भी मांग की कि सरकार को मजदूरों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के उपाय करने चाहिए.

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली

: शपथ लेकर समानता से जीने की सलाह

चंद्रपुर.

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले भर में 'मार्ग हक्काचा, सम्मानाचा' नारे पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये. जिला सर्जन डॉ. महादेव चिंचोले के मार्गदर्शन एवं प्रभारी जिला शल्यचिकित्सक डॉ. बंडू रामटेके की अध्यक्षता में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं महाविद्यालयों के सहयोग से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर 1 दिसंबर को जागरूकता रैली निकाली गई. इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शल्यचिकित्सक डॉ. भास्कर सोनारकर ने एड्स विरोधी शपथ का वाचन किया।

रैली की शुरुआत एड्स विरोधी शपथ के साथ की गई। रैली सामान्य अस्पताल से जटपुरा गेट होते हुए वापस आजाद बगीचा से जिला सामान्य अस्पताल में समाप्त हुई। रैली में कॉलेज के छात्र, नर्सिंग कॉलेज के छात्र, जिले की प्रमुख सामाजिक संस्था रोटरी क्लब, आई.एम.ए. के पदाधिकारी उपस्थित थे। मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी, एनरव्हील क्लब के पदाधिकारी, सरकारी नर्सिंग कॉलेज, विश्वानंद नर्सिंग कॉलेज, प्रभादेवी नर्सिंग कॉलेज, वसुधा जेड नर्सिंग कॉलेज, अशोका नर्सिंग कॉलेज, नवजीवन नर्सिंग कॉलेज, जिला एड्स रोकथाम और नियंत्रण इकाई परामर्शदाता, प्रयोगशाला तकनीशियन, एआरटी केंद्र के सभी कर्मचारी, महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा समर्थित गैर सरकारी संगठनों के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। रैली के दौरान एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न नारे और पत्रक वितरित किये गये।

प्रभारी जिला सर्जन डॉ. बंडू रामटेके ने जिले में एचआईवी एड्स प्रभावित मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के साथ ही शासन की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि सभी प्रणालियों को एड्स की रोकथाम के लिए काम करना चाहिए। अतिरिक्त जिला शल्यचिकित्सक डॉ. भास्कर सोनारकर ने कहा कि एड्स पर नियंत्रण के लिए सरकार की ओर से विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं. संबंधित मरीजों को इस बीमारी के बारे में डर या गलतफहमी के बिना परामर्श और उपचार के लिए स्वास्थ्य टीमों के साथ सहयोग करना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर निर्देश देकर गर्भवती माताओं और आम नागरिकों के लिए एचआईवी परीक्षण सुविधाओं और सामग्रियों की उपलब्धता को मजबूत करने का वादा किया।

कार्यक्रम का परिचय एआरटी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिलीप मडावी द्वारा. प्रबंध जिला कार्यक्रम अधिकारी सुमंत पंगंतीवार ने धन्यवाद ज्ञापन जिला आईसीटीसी पर्यवेक्षक निरंजन मंगरुलकर ने किया। रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर डॉ. हेमचंद कन्नाके, आई.एम.ए. सचिव डॉ. डॉ. प्रवीण पंत, प्रशासनिक अधिकारी। डॉ. किरण कनेरे, एआरटी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी। दिलीप मडावी, संकल्प बहुउद्देश्यीय ग्राम विकास संघ के अध्यक्ष आशीष काले, एसआरएम कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र बोरकुटे, प्रो. संतोष आडे, जनरल हॉस्पिटल चंद्रपुर अधिसेविका एम.एम. अत्राम, एआरटी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिलीप मडावी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुमंत पंगंतीवार, जिला पर्यवेक्षक निरंजन मंगरुलकर, विहान परियोजना जोसेफ डोमला आदि उपस्थित थे.

कई देशों में छाया पुष्पा का जादू

प्री-सेल में बना दिया नया

'पुष्पा: द रूल' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म है, जिसको सिनेमाघरों में देखने के लिए बहुत से लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के रिलीज होने में केवल 3 दिन बचा है और इसने करीब आते-आते भी ये फिल्म रिकॉर्ड बनाए ही जा रही है. देशभर में इसके क्रेज का अनुमान हर कोई एक वक्त पर लगा सकता है, लेकिन विदेशों में भी अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' का भौकाल अलग ही लेवल पर है. विदेशों के साथ 'पुष्पा 2' की एडवांस बुकिंग भारत में भी शुरू हो गई है.

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' कल तक नॉर्थ अमेरिका में नया रिकॉर्ड बनाई थी, तो आज इस फिल्म ने ओशिआनिया में भी अपना झंडा लहरा दिया है. ओशिआनिया में 14 देश आते हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं. ओशिआनिया में प्री-सेल के दौरान बॉक्स ऑफिस पर 7 लाख ऑस्ट्रेलियन डॉलर यानी 3 करोड़ 84 लाख से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है. इतनी कमाई के साथ 'पुष्पा 2' ने ओशिआनिया में एक नया रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रही है.

ओशिआनिया में 'पुष्पा 2' ने किसी भी और इंडियन फिल्म के मुकाबले सबसे ज्यादा प्री-सेल की है. प्री-सेल की कमाई से फिल्म के रिलीज कमाई का अंदाजा काफी ऊपर तक पहुंचता है. इस बात की जानकारी 'पुष्पा 2' की टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी. इसको पोस्ट करने के साथ ये भी बताया गया कि आगे बढ़ते हर घंटे के साथ ये फिल्म किसी रिकॉर्ड को बनाने और तोड़ने में कामयाब हो रहा है. अमेरिका में भी इस फिल्म ने 2 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है.

सुकुमार के डायरेक्शन में बनी 'पुष्पा 2' की बुकिंग बहुत तेजी से हो रही है. ये फिल्म साल 2021 में आई 'पुष्पा: द राइज' का सीक्वल है, जिसका फैन्स लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे. इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना, फहाद फाजिल जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म 500 करोड़ रुपए के हाई बजट पर बनी है.

फिल्म इंडस्ट्री से विक्रांत मैसी ने लिया संन्यास !

विक्रांत मैसी ने छोटे पर्दे से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. हाल ही में उनकी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' रिलीज हो गई है. जिसकी तारीफ खुद पीएम मोदी ने भी की थी. फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी ज्यादा पसंद किया गया था. वहीं हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है. जिसके बाद से वो चर्चा में है.

विक्रांत की इस पोस्ट से हर कोई शॉक्ड है. विक्रांत ने अपने पोस्ट के जरिए एक्टिंग से रिटायरमेंट लेने का ऐलान कर दिया है और इस पोस्ट के सामने आते ही फैंस हैरान रह गए हैं. कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए एक्टर के रिटायरमेंट की वजह पूछी है.

एक्टर ने पोस्ट में लिखा- 'हैलो, पिछले कुछ साल और उसके बाद का समय काफी अच्छा रहा है. मैं आप सभी के इतने समर्थन के लिए आपको धन्यवाद देता हूं. लेकिन, जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता जा रहा हूं, मुझे एहसास हो रहा है कि अब समय आ चुका है कि मैं खुद को फिर से संभालूं और घर वापस जाऊं. एक पति, पिता और बेटे के तौर पर और एक एक्टर के तौर पर भी. तो, 2025 में हम एक आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे. जब तक सही सम ना लगे. पिछले 2 फिल्में और कई साल की यादें. आप सभी का फिर से शुक्रिया. हर चीज के लिए और जो कुछ बीच में हुआ उसके लिए भी. मैं हमेशा आपका ऋणी रहूंगा.'

वहीं एक्टर के इस ऐलान के बाद हर कोई उनसे वजह जानना चाहता है कि आखिर विक्रांत ने ये फैसला अचानक क्यों लिया, जबकि उनकी फिल्मों को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है.

ऐश्वर्या ने मिस्ट्री मैन संग शेयर की फोटो

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन पिछले कई महीनों से अभिषेक बच्चन संग अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. कपल की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें उड़ रही है. हालांकि इस सब खबरों को लेकर अभी तक इस कपल ने कोई भी रिएक्शन नहीं दिया है. इस बीच अब एक्ट्रेस की एक फोटो वायरल हो रही है, जिसमें वो मिस्ट्री मैन संग नजर आई. इस फोटो को खुद ऐश्वर्या ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया.

ऐश्वर्या ने ये फोटो अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के सेट से शेयर की है. वहीं, एक्ट्रेस के साथ जो ये शख्स नजर आ रहा है वो और कोई नहीं उनका मेकअप आर्टिस्ट है. एक्ट्रेस की ये फोटो देखकर फैंस काफी खुश है कि वो जल्द ही फिल्म में नजर आएंगी. लेकिन आपको बता दें, कि एक्ट्रेस किसी फिल्म के लिए नहीं बल्कि कमर्शियल का शूट कर रही हैं. ऐश्वर्या ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'काम पर एक प्यारा दिन'. फोटो में एक्ट्रेस और उनका मेकअप आर्टिस्ट दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं.

ऐश्वर्या के वर्कफ्रंट की बात करे तो उन्हें आखिरी बार पोन्नियिन सेलवन में देखा गया था. वहीं ऐसी खबरें आ रही हैं कि ऐश्वर्या और अभिषेक, मणि रत्नम की किसी फिल्म में साथ में काम करने वाले हैं, हालांकि ये खबर अभी ऑफिशियल सामने नहीं आई है.

कल्कि को 2 साल तक नहीं मिला कोई काम

बॉलीवुड में ऐसे कई सितारे हैं, जिन्होंने विदेश से आकर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है. उन्हीं में से एक हैं एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन. एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में फिल्म 'देव डी' से की थी. इसके बाद वह 'ये जवानी है दीवानी' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जैसी कई फिल्मों में नजर आईं. यह सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई. लेकिन हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कल्कि कोचलिन ने बताया कि डेब्यू फिल्म के बाद उन्हें 2 साल तक कोई काम नहीं मिला था, जिसके बाद उन पर गुजारा करने तक के पैसे नहीं थे.

एक्ट्रेस कल्कि ने एक इंटरव्यू में बताया कि फेमस होने के बावजूद भी उन्हें 2 साल तक इंडस्ट्री में कोई काम नहीं मिला था और उन्हें अपने करियर में काफी स्ट्रगल करना पड़ा. कल्कि ने कहा कि काम ना मिलने कारण और पैसों की कमी की वजह से उन्हें कई अलग-अलग तरह के रोल करने पड़े थे. कल्कि ने आगे बताया कि एक समय पर उनकी आर्थिक स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि वह केवल वड़ापाव खाकर गुजारा करती थीं और केवल इतना ही नहीं वह लोकल ट्रैन में सफर करती थीं.

बता दें कि एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन 'देव डी' के बाद 'ये जवानी है दिवानी' फिल्म में नजर आई थीं. उनकी यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. हाल ही में एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन फिल्म 'खो गए हम कहां' में नजर आईं. उनकी यह फिल्म लोगों को काफी आई. कल्कि कोचलिन साल 2011 में अनुराग कश्यप से शादी रचाई थी. लेकिन उनकी तीन

'कंगुवा' इस त्यौहार पर ओटीटी पर होगी रिलीज

साउथ इंडियन स्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा 14 नवंबर को रिलीज हुई थी। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में बॉबी देओल ने विलेन का रोल प्ले किया है। इसमें सूर्या डबल रोल में नजर आए।बॉक्स ऑफिस पर ये मूवी कुछ खास नहीं कर सकी। मगर अब इसे जल्द ही ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा।सिरूथाई शिवा द्वारा निर्देशित इस फिल्म के ओटीटी राइट्स प्राइम वीडियो के पास हैं। इसे प्लेटफॉर्म ने 100 करोड़ रुपये देकर खरीदा था। इसलिए इसे हिंदी और अन्य भाषाओं में इसी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंगुवा को रिलीज होने के 8 सप्ताह बाद डिजिटली रिलीज किया जाएगा। यानी इस मूवी को अगले साल पोंगल के त्यौहार पर रिलीज किया जा सकता है। इसे 14-17 जनवरी 2025 में किसी भी डेट पर रिलीज किया जा सकता है। ऑफिशियल डेट अनाउंस होना बाकी है। पर पोंगल पर रिलीज किया जाना तय है।कहा जा रहा है कि ओटीटी रिलीज के बाद 'कंगुवा' के बेहतर ध्यान आकर्षित करने की संभावना है। फिल्म से दिशा पाटनी ने अपना तमिल डेब्यू किया है। इसमें वो सूर्या की प्रेमिका के रूप में दिखाई दी हैं। 'कंगुवा' प्राचीन काल में सेट की गई एक महाकाव्य फंतासी एक्शन फिल्म है, जो सूर्या द्वारा निभाए गए एक शक्तिशाली नायक की कहानी पर आधारित है।

स्काई ब्लू साड़ी में माही श्रीवास्तव ने ढाया कहर

भोजपुरी इंडस्ट्री की जानी-मानी सिंगर प्रियंका सिंह और एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव की जोड़ी लोगों को खूब पसंद आ रही है। सिंगर और एक्ट्रेस की सुपरहिट जोड़ी गाने में जब-जब एक साथ आती हैं तो वह बिगेस्ट हिट साबित होती है। इसी कड़ी में प्रियंका सिंह का गाया हुआ और माही श्रीवास्तव की अदाकारी से सजा हुआ भोजपुरी सॉन्ग 'सइयाँ जी त सोरहो सिंगार बाड़े' को रिलीज कर दिया गया है जोकि ऑडियंस को बहुत भा रहा है। एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव ने कमाल का डांस और अदाकारी किया है। वह स्काई ब्लू साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं और अपनी कातिल अदाओं से बिजली गिरा रही हैं। इस गाने के वीडियो में माही श्रीवास्तव अपनी सहेलियों से कहती हैं कि 'कनवा के बाली ओठवा के लाली मथवा के बिंदिया हमार बाड़े हो, केतना बताई उनकर बड़ाई हमरा से करत बड़ी प्यार बाड़े हो, हे सखी हो, सइयाँ जी त सोरहो सिंगार बाड़े हो'इस गाने को लेकर माही श्रीवास्तव ने कहा कि 'यह सांग बहुत ही प्यारा बनाया गया है। इसके वीडियो में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। रत्नाकर कुमार सर इस गाने की मेकिंग कमाल का किया है। इस गाने की शूटिंग में बहुत मजा आया था, खास करके इसका लोकेशन और फ़िल्मांकन की जितनी तारीफ की जाय वह कम ही होगा। मेरा लक बहुत अच्छा है

'बंदिश बैंडिट्स-2' का ट्रेलर रिलीज

मोस्ट अवेडेट म्यूजिकल ड्रामा सीरीज बंदिश बैंडिट्स-2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। आनंद तिवारी द्वारा ने इस सीरीज का निर्देशन किया है। इसके ट्रेलर में राधे की घराने को बचाने और अपने प्यार को फिर वापस पाने की स्टोरी आगे बढ़ेगी।

इस सीजन में रित्विक भौमिक, श्रेया चौधरी, शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी, राजेश तैलंग और कुणाल रॉय कपूर जैसे बहुमुखी कलाकारों की वापसी होगी। इसके अलावा, नए कलाकारों के रूप में दिव्या दत्ता, रोहन गुरबक्सनी, यशस्विनी दायमा, आलिया कुरैशी और सौरभ नैय्यर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

बंदिश बैंडिट्स सीज़न 2 भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 13 दिसंबर से विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। सीरीज के लीड एक्टर रित्विक भौमिक ने कहा- "मेरे लिए, राधे के किरदार निभाना ऐसा है जैसे एक लंबे दिन के बाद घर वापस लौटना। यह एक ऐसा किरदार है जिसे निभाने के लिए मैं कई कारणों से आभारी हूं, खासकर इसलिए कि इसने मुझे एक अभिनेता और व्यक्ति के रूप में बहुत कुछ सिखाया है।"

उन्होंने आगे कहा- "दूसरे सीज़न में, हम देखते हैं कि राधे अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ अपने परिवार की परंपराओं और विरासत को एक तेजी से बदलती आधुनिक दुनिया में जीवित रखने की जिम्मेदारी को अपनाता है, साथ ही तमन्ना के साथ अपने रिश्ते को भी संभालता है।"अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने कहा बंदिश बैंडिट्स के आगामी सीजन के लिए तमन्ना की दुनिया में वापस लौटना ऐसा है जैसे किसी पुराने दोस्त से दोबारा जुड़ना। वह ऐसी तरीकों से बड़ी और परिपक्व हुई है जिसकी मैंने कल्पना नहीं की थी।

परिणीति ने शेयर किए जज्बात

रविवार को 'इश्कजादे' फेम परिणीति चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर कई खूबसूरत तस्वीरों की झलक दिखाया। इन दिनों गोवा में एक्ट्रेस अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर बताया की वह प्रोजेक्ट के लिए नाइट शिफ्ट भी कर रही हैं।

अभिनेत्री ने लिखा,"चलो नाइट शिफ्ट करें" साथ में उनके नाम वाली स्क्रिप्ट भी दिखाई दे रही है। इससे पहले 'इश्कजादे' अभिनेत्री ने अपनी कैंडिड फोटो पोस्ट की और लिखा, मैं 8 घंटे सोई, लेकिन ऐसा लग रहा कि केवल 4 घंटे ही सोई।

इस बीच परिणीति चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री पिछली बार इम्तियाज अली के निर्देशन में तैयार बायोपिक 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं। परिणीति की झोली में और भी कई फिल्में हैं। इस लिस्ट में अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही मोस्ट अवेटेड थ्रिलर 'सनकी' भी है। फिल्म में चोपड़ा के साथ वरुण धवन नजर आएंगे।इसके अलावा परिणीति के पास करण शर्मा निर्देशित 'शिद्दत 2' भी है।

फेमस साउथ इंडियन एक्ट्रेस की हुई मौत

साउथ इंडस्ट्री से एक दुखद खबर आई, मशहूर कन्नड़ एक्ट्रेस शोभिता शिवन्ना के निधन की। उनके यूं अचानक चले जाने से इंडस्ट्री में शोक की लहर छा गई। उनके फैंस को इस पर यकीन नहीं हो रहा है कि अब वो इस दुनिया में नहीं रहीं।

उनके परिवार वाले भी सदमे में हैं। सोशल मीडिया पर साउथ इंडियन सेलेब्स शोभिता के निधन पर दुख जता रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कन्नड़ अभिनेत्री शोभिता शिवन्ना ने कल हैदराबाद में आत्महत्या कर ली। यह घटना दोपहर 12 बजे की है, जब गाचीबोवली पुलिस को इस बारे में कॉल गई। पुलिस मौके पर पहुंची और उनके पति सहित कॉन्स्टेबल्स ने कई बार

उसका दरवाजा खटखटाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हुए। अंत में उन्हें दरवाजा तोड़ना पड़ा और एक्ट्रेस का शव पंखे से लटका हुआ पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। शोभिता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भी भेज दिया है। पुलिस मर्डर के एंगल से भी मामले की तफ्तीश कर रही है। एक्ट्रेस ने 'एराडोंडला मुरू', 'एटीएम' जैसी फिल्मों में काम किया था।उन्होंने कई मशहूर टीवी सीरियल किए थे।शोभिता की उम्र अभी 30 साल ही थी। शोभिता कर्नाटक के हसन जिले के सकलेशपुर की रहने वाली थी और पिछले 2 सालों से अपने पति के साथ हैदराबाद में रह रही थी। बड़ा सवाल ये है कि आखिर एक्ट्रेस ने सुसाइड क्यों की। क्या उन्हें कोई परेशान कर रहा था या फिर एक्ट्रेस का कत्ल हुआ है? इनके जवाब तो अब पुलिस ही दे सकती है।

जायडेन ने तोड़ा भारतीय गेंदबाज का रिकॉर्ड

गेंदबाज ने 5 रन पर गिराए 4 विकेट

किंग्स्टन.

बांग्लादेश के खिलाफ किंग्स्टन में खेले जा रहे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज का एक गेंदबाज ऐसा बरसा कि रिकॉर्ड ही टूट गया.ऐसा कुछ देखने को मिला जो क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में बीते 46 सालों में हुई पहली घटना रही. उसके बरपाए कहर का असर कुछ ऐसा हुआ कि बांग्लादेश की टीम दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 200 रन के मार्क से काफी दूर रह गई. इससे मेजबान वेस्टइंडीज की टीम को मैच पर पकड़ बनाने का मौका मिल गया. वेस्टइंडीज की टीम अपने जिस खिलाड़ी के चलते दूसरे टेस्ट में मजबूत पोजिशन में है वो जायडेन सील्स हैं, जिन्होंने भारतीय गेंदबाज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए बांग्लादेश के खिलाफ इतिहास रचा है.

बांग्लादेश के जो बल्लेबाज उनका शिकार बने उनमें लिटन दास, तस्कीन अहमद, मेहदी हसन और नाहिद राणा का नाम शामिल रहा. जायडेन सील्स को गेंदबाजी में दूसरे छोर से शेमार जोसेफ और केमार रोच का भी पूरा साथ मिला. नतीजा ये हुआ कि बांग्लादेश की टीम पहली पारी में सिर्फ 164 रन बनाकर आउट हो गई. जवाब में वेस्टइंडीज ने भी अपनी पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट पर 70 रन बना लिए थे. मतलब मेजबान वेस्टइंडीज अब सिर्फ 94 रन पीछे हैं और उसके 9 विकेट भी शेष हैं. ऐसे में बांग्लादेश को अगर मैच में वापसी करनी है तो उसे वेस्टइंडीज के 9 विकेट जल्दी से गिराने का प्लान करना होगा. वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट 201 रन के बड़े अंतर से जीता था. अब अगर दूसरा टेस्ट भी जीता तो टेस्ट सीरीज को उसका कब्जा हो जाएगा. बांग्लादेश के जो बल्लेबाज उनका शिकार बने उनमें लिटन दास, तस्कीन अहमद, मेहदी हसन और नाहिद राणा का नाम शामिल रहा. जायडेन सील्स को गेंदबाजी में दूसरे छोर से शेमार जोसेफ और केमार रोच का भी पूरा साथ मिला. नतीजा ये हुआ कि बांग्लादेश की टीम पहली पारी में सिर्फ 164 रन बनाकर आउट हो गई. जवाब में वेस्टइंडीज ने भी अपनी पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट पर 70 रन बना लिए थे. मतलब मेजबान वेस्टइंडीज अब सिर्फ 94 रन पीछे हैं और उसके 9 विकेट भी शेष हैं. ऐसे में बांग्लादेश को अगर मैच में वापसी करनी है तो उसे वेस्टइंडीज के 9 विकेट जल्दी से गिराने का प्लान करना होगा.

वैभव सूर्यवंशी दूसरे मैच में भी नहीं खेल सके बड़ी पारी

नई दिल्ली.

पाकिस्तान के खिलाफ 1 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को जापान के खिलाफ अच्छी शुरुआत तो मिली पर वो उस स्टार्ट को बड़ी पारी में कन्वर्ट नहीं कर सके. जापान के खिलाफ सबसे बड़ी ताकत ही उनके लिए आफत बन गई. जिस तरह के गेंदबाज वैभव को भाते हैं, उसी मिजाज वाले खिलाड़ी ने उन्हें अपनी जाल में फंसा लिया. अंडर- 19 एशिया कप में खेले पहले दो मैचों के बाद अब हाल ये है कि वैभव सूर्यवंशी के खाते में 25 रन भी दर्ज नहीं हैं. पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच हारने वाली भारतीय टीम शारजाह में जापान के खिलाफ दूसरा मैच खेल रही है. इस मुकाबले में जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. 13 साल के वैभव सूर्यवंशी अपने ओपनिंग पार्टनर आयुष के साथ बल्लेबाजी के लिए उतरे. दोनों मिलकर स्कोर बोर्ड पर तेजी से रन जोड़ने लगे. 7वें ओवर तक भारत का स्कोर बिना कोई विकेट खोए 65 रन जा पहुंचा. लेकिन 8वें ओवर से कहानी थोड़ी पलट गई और स्कोर बोर्ड पर रनों की रफ्तार थम गई.8वां ओवर जापान के लेफ्ट आर्म स्पिनर काजुमा ने डाला. वैभव को करीब से जानने वाले बताते हैं कि उन्हें लेफ्ट आर्म स्पिनर्स सबसे ज्यादा पसंद है. लेकिन, शारजाह की पिच पर वैभव की वही पसंद उनके डगआउट लौटने का वजह बन गई.

गिनी में फुटबॉल मैच के दौरान भिड़े फैंस

100 से ज्यादा के मरने की आशंका

नई दिल्ली.

गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर एन'जेरेकोर में रविवार को एक फुटबॉल मैच के दौरान प्रशंसकों के बीच हुई झड़प में दर्जनों लोगों की मौत हो गई। हालांकि, एक डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर मीडिया से बात करते हुए एएफपी को बताया, 'अस्पताल में जहां तक आंख देख सकती है, वहां शव कतार में पड़े हैं। मुर्दाघर भरा हुआ है। लगभग 100 लोग मारे गए हैं।'एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'यह हिंसा मैच रेफरी द्वारा एक विवादित निर्णय के साथ शुरू हुआ। इसके बाद फैंस ने पिच पर हमला कर दिया।' स्थानीय मीडिया ने कहा कि यह मैच गिनी के जुंटा नेता ममादी डौंबौया के सम्मान में आयोजित एक टूर्नामेंट का हिस्सा था। डौंबौया 2021 के तख्तापलट में सत्ता पर कब्जा कर लिया था और खुद को राष्ट्रपति के रूप में स्थापित किया था। पश्चिम अफ्रीकी देश में इस तरह के टूर्नामेंट आम हो गए हैं। डौंबौया की नजरें अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में संभावित चुनाव लड़ने और राजनीतिक गठबंधन बनाने पर टिकी हैं।सैन्य नेता ने जनवरी में असाधारण रूप से खुद को लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया और पिछले महीने उन्होंने खुद को सेना के जनरल के पद पर पदोन्नत किया। डौंबौया ने हाल फिलहाल में कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में रखवाया है, अदालतों में पेश किया या निर्वासन के लिए मजबूर कर दिया।

इसके बावजूद डौंबौया के समर्थकों ने हाल ही में अगले राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। अपने काफी प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, गिनी एक गरीब राष्ट्र बना हुआ है। यह दशकों से सत्तावादी सरकारों द्वारा शासित है। डौंबौया उन कई अधिकारियों में से एक हैं, जिन्होंने माली, बुर्किना फासो और नाइजर में साथी सैन्य नेताओं के साथ 2020 से पश्चिम अफ्रीका में सत्ता पर कब्जा किया है। गिनी के दक्षिण-पूर्व में स्थित एन'जेरेकोर, जहां संघर्ष हुआ, वहां की आबादी लगभग 200,000 लोगों की है। सोशल मीडिया पर इस हिंसा के कई वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। इस वीडियो में मैच के बाहर सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है और कई शव जमीन पर पड़े हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने एन'जेरेकोर पुलिस स्टेशन में भी तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

पीवी सिंधु ने दो साल बाद पहला खिताब जीता

लखनऊ.

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने रविवार को लखनऊ के बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो साल बाद अपना पहला खिताब जीता है। उन्होंने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल के महिला एकल फाइनल में चीन की यू लाओ वू को हराया

शीर्ष वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने महिला एकल फाइनल में विश्व की 119वें नंबर की खिलाड़ी चीन की वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराया। 29 वर्षीय भारतीय शटलर ने यह मुकाबला महज 47 मिनट में अपने नाम किया। पीवी सिंधु ने पिछली बार 2022 में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था।

वहीं, भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने महिला युगल का खिताब अपने नाम किया। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुकी दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने चीन की ली जिंग बाओ और ली कियान को 41 मिनट में 21-18, 21-11 से हराया।कॉमनवेल्थ गेम्स की कांस्य पदक विजेता जोड़ी की यह ऐतिहासिक जीत है, क्योंकि त्रिशा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। ये जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी।हालाकि, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी मिश्रित युगल फाइनल में हार गई। ध्रुव और तनीषा की 5वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को थाइलैंड की छठी वरीय डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसारा पेसमप्रान की जोड़ी के हाथों 51 मिनट में 21-18, 14-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत को पुरुष युगल फाइनल में भी शिकस्त झेलनी पड़ी।

'एंडी मर्रे को इसलिए कोच नियुक्त किया क्योंकि...'

नई दिल्ली.

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। पिछले छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच खेलने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मर्रे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं।

मर्रे और जोकोविच दोनों 37 वर्ष के हैं और वे मई 1987 में एक सप्ताह के अंतर पर पैदा हुए थे। वे जूनियर वर्ग से एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं। पेशेवर खिलाड़ी के रूप में इन दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ 36 मैच खेले जिनमें जोकोविच ने 25 और मर्रे ने 11 मैच में जीत दर्ज की। मार्च में गोरान इवानिसेविच से अलग होने के बाद से पूर्णकालिक कोच के बिना खेल रहे जोकोविच ने कहा, 'वह मेरे खेल और जिन परिस्थितियों से मैं गुजरा हूं उन्हें अच्छी तरह से समझता है। वह जानता है कि मेरे खेल में क्या कमियां हैं।'अमेरिकी ओपन 2009 के चैंपियन डेल पोत्रो ने पार्के रोका, खेला गया प्रदर्शनी मैच 6-4, 7-5 से जीता। जोकोविच ने कहा, 'हम अपने खेल के सबसे अहम मुकाबलों में एक-दूसरे के खिलाफ खेले, लेकिन अंत में हमारी दोस्ती प्रतिद्वंद्विता से अधिक महत्वपूर्ण थी।'जोकोविच ने स्पेनिश में कहा, 'जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है और ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं. जिन्होंने कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।' जोकोविच 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने टेनिस इतिहास में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में नंबर एक पर सबसे अधिक सप्ताह बिताए हैं। मर्रे ने तीन ग्रैंड स्लैम खिताब और दो ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीते।

शोएब अख्तर ने दिया धधकता हुआ बयान

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल होना है, लेकिन अभी तक उसे लेकर तस्वीर साफ नहीं है कि टूर्नामेंट होगा कहां? हाईब्रिड मॉडल पर तैयार हुए पाकिस्तान की नई डिमांड आईसीसी मानेगा या नहीं? पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल अपनाने की बात करते हुए एक तो आईसीसी से रेवेन्यू बढ़ाने की मांग की है. वहीं दूसरी ओर उसने कहा है कि 2031 तक भारत में होने वाले सारे आईसीसी इवेंट हाइब्रिड मॉडल में हों. सवालों से भरे इन हालातों के बीच अब पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक तड़कता भड़कता बयान दिया है.

आज सातवें दौर में सफेद मोहरों से खेलेंगे गुकेश

नई दिल्ली.

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश गत चैंपियन डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व शतरंज चैंपियनशिप में छठे दौर तक कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, लेकिन उन्होंने चीन के अपने प्रतिद्वंद्वी को बराबरी पर रोके रखा है। गुकेश और लिरेन के बीच छठे दौर की बाजी समाप्त होने के बाद मुकाबला टक्कर का चल रहा है और फिलहाल दोनों के तीन अंक हैं। गुकेश और लिरेन के बीच पिछली तीन पारियां ड्रॉ रही थी और अब आज सातवें दौर में दोनों आमने-सामने होंगे। इस दौरान गुकेश और लिरेन की नजरें जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।18 वर्षीय गुकेश सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद पहली बाजी हार गए थे, लेकिन दूसरी बाजी इस भारतीय खिलाड़ी के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली थी क्योंकि चीन के खिलाड़ी ने जीत के लिए किसी तरह का प्रयास नहीं किया और आसान ड्रॉ होने दिया। गुकेश ने लिरेन की गलती का फायदा उठाकर तीसरी बाजी जीतकर अच्छी वापसी की लेकिन इसके बाद अगली तीन बाजियों में किसी भी खिलाड़ी ने जोखिम लेना उचित नहीं समझा और आपस में अंक बांटे। यह मुकाबला 14 दौर का है तथा जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक बनाएगा वह विश्व चैंपियन बनेगा।अभी तक दोनों खिलाड़ियों ने जिस तरह का खेल दिखाया है उसे देखते हुए किसी को भी प्रबल दावेदार नहीं माना जा सकता। गुकेश आज सातवीं बाजी सफेद मोहरों से खेलेंगे।

दबंग दिल्ली केसी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर

नोएडा. दबंग दिल्ली केसी और तमिल थलाइवाज के बीच नोएडा इंडोर स्टेडियम में रविवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 87वें मैच में मामला फंसा हुआ था। अंतिम छह मिनट तक दोनों टीमें बराबरी पर चल रही थीं और विजेता की तस्वीर नहीं दिख रही थी लेकिन फिर नवीन कुमार ने चार अंक की रेड के साथ मैच की तस्वीर बदल दिल्ली को जीत दिलाने वाली बढ़त दिला दी।

दिल्ली ने इस रोमांचक मैच में 32-21 के अंतर से जीत हासिल करते हुए अंक तालिका में छह स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दिल्ली की टीम लगातार पांच मैचों से अजेय है। उसके लिए नवीन ने 11 अंक लिए जबकि आशू ने पांच और डिफेंस से योगेश ने चार अंक लिए। थलाइवाज के लिए मोइन शफागी (8) ही चमक दिखा सके।

थलाइवाज ने शुरुआती तीन मिनट में ही दिल्ली के दोनों रेडरों- आशू और नवीन को बाहर कर अपनी टीम को 4-2 की लीड दिला दी। इसके बाद हालांकि योगेश ने डू ओर डाई रेड पर विशाल को लपक स्कोर 3-4 कर दिया औऱ फिर बस्तामी ने डू ओर डाई आशू को लपक स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अगले दो मिनट में भी दोनों टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला चला। स्कोर 6-6 था लेकिन नवीन ने आशीष का शिकार कर 10 मिनट की समाप्ति तक दिल्ली को 7-6 से आगे कर दिया। ब्रेक के बाद भी दोनो टीमों के बीच जोरदार मुकाबला चला। 14वें

मिनट तक स्कोर 9-9 था लेकिन इसके बाद थलाइवाज ने 11-9 की लीड ले ली।

फिर शफागी ने नवीन को लपक दिल्ली को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। दिल्ली ने इसका लाभ लिया। गौरव ने डू ओर डाई रेड पर शफागी को लपक स्कोर 11-12 कर दिया। फिर मोहित ने डू ओर डाई रेड पर सचिन का शिकार कर हाफटाइम तक स्कोर 12-12 कर दिया। हाफटाइम के बाद भी दोनों टीमों के बीच रस्साकसी जारी रही और चार मिनट बीतने के बाद भी स्कोर 13-13 से बराबर था। दोनो टीमें डू ओर डाई रेड पर खेल रही थीं। इसी बीच नितेश ने इसी तरह की एक रेड पर आशीष को लपका और फिर सचिन ने डू ओर डाई रेड पर आशीष का शिकार कर 15-13 के स्कोर पर दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

दिल्ली ने फिर इसका लाभ लिया। योगेश ने डू ओर डाई रेड पर सचिन को सुपर टैकल कर दिल्ली को 16-15 से आगे कर दिया। फिर नवीन ने डू ओर डाई रेड पर रौनक को आउट कर दिल्ली को दो अंक की बढ़त दिला दी।

टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान

नई दिल्ली.

लंबे विवाद के बाद आखिरकार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। आईसीसी और बीसीसीआई के दबाव के सामने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड झुक गया है और भारत के हाइब्रिड मॉडल की मांग पूरी होती दिख रही है। पाकिस्तान का बोर्ड हाइब्रिड मॉडल पर राजी हो गया है। इसका मतलब यह है कि भारत अपने मुकाबले पाकिस्तान से बाहर दूसरे किसी देश में खेलेगा।

बीसीसीआई ने कुछ हफ्ते पहले औपचारिक रूप से आईसीसी को बताया था कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेंगे, क्योंकि दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के बीच टीम को भारत सरकार से मंजूरी नहीं मिली है। इसने जल्द ही हाइब्रिड मॉडल को अपनाने पर चर्चा शुरू कर दी, लेकिन दूसरी तरफ

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का रूख हाइब्रिड मॉडल के खिलाफ था। साल 2023 में खेले गए एशिया कप में भारत ने हाइब्रिड मॉडल अपनाया था, जिसमें भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे।

आईसीसी और बीसीसीआई हाइब्रिड मॉडल पर अड़े हुए थे। ऐसे में पाकिस्तान को डर सता रहा था कि कहीं वह चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से हाथ नहीं धो बैठे। लिहाजा उन्होंने हार मान ली।पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने दुबई में संवाददाताओं से यह बात कही।

मैं ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता क्योंकि इससे चीजें बर्बाद हो सकती हैं। हमने (आईसीसी को) अपना दृष्टिकोण दे दिया है और भारतीयों ने भी अपना दृष्टिकोण दे दिया है। प्रयास सभी के लिए जीत-जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा- क्रिकेट को जीतना चाहिए, यह सबसे महत्वपूर्ण है लेकिन सभी के सम्मान के साथ।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी ने मुआवजे के रूप में आईसीसी रेवेन्यू

का एक बड़ा हिस्सा मांगा है। पाकिस्तान बोर्ड को फिलहाल बीसीसीआई के शेयर (38%) से 6 प्रतिशत कम शेयर मिल रहा है। वहीं, आईसीसी पहले ही पाकिस्तान बोर्ड को मेजबानी शुल्क से कही अधिक मुआवजा राशि की पेशकश कर चुकी है। वहीं, पाकिस्तान की मांग को आईसीसी मानेगा, इसकी संभावना ना के बराबर है। आईसीसी में शामिल अन्य क्रिकेट प्लेइंग नेशन अपने शेयरों में कटौती पर राजी नहीं होंगे।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत का रास्ता आसान

नई दिल्ली.

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा सायकल बेहद रोमांचक हो चुका है. अभी तक इसके फाइनल में जगह बनाने के लिए 5 टीमें रेस में थीं, जिसमें से न्यूजीलैंड लगभग बाहर हो चुकी है. इंग्लैंड से हारने के बाद उसका फाइनल में जाना नामुमकिन लग रहा है. वहीं भारत के लिए रास्ता आसान हो गया है. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका की टीम जोरदार दावेदारी पेश कर रही हैं.

पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत के बाद भारत की स्थिति मजबूत हो गई है. टीम इंडिया डब्लूटीसी के फाइनल में जाने के लिए इस वक्त सबसे बड़ी दावेदार बन गई है. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच जीतकर भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त ले ली है. इसके अलावा वह पॉइंट्स टेबल में 61.11 परसेंटेज पॉइंट के साथ टॉप पर चली गई है. रोहित शर्मा की टीम के पास अब 4 मैच बचे हैं. अगर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर 5-0, 4-0, 4-1 या 3-0 से कब्जा जमा लेती है तो फाइनल की सीट पक्की हो जाएगी. सीरीज को 3-0 से जीतने के बाद भारत के 62.28 परसेंटेज पॉइंट हो जाएंगे, जिससे फिलहाल सिर्फ साउथ अफ्रीका की टीम आगे निकल सकती है.

अगर ऐसा नहीं हुआ और भारतीय टीम इस सीरीज को गंवा देती है, फिर भी उसके पास फाइनल में जाने का मौका होगा. हालांकि, इसके बाद उसे दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर होना होगा. अगर ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को 3-2 से जीत लेती है तो इस सायकल में वह टॉप पर रहेगी. वहीं भारत के 53.51 परसेंटेज पॉइंट हो जाएंगे.

इस परिस्थिति में टीम इंडिया को डब्लूटीसी फाइनल में जाने के लिए उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 से सीरीज ड्रॉ करे. वहीं साउथ अफ्रीका बचे हुए 3 में से 2 मुकाबले हार जाए. वहीं श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के दोनों मुकाबले ड्रॉ हो जाएं. इससे न्यूजीलैंड के 52.38, साउथ अफ्रीका के 52.77 और श्रीलंका के 51.28 परसेंटेज पॉइंट ही हो पाएंगे. यानि भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम फाइनल में पहुंच जाएगी.

बोफोर्स केस कांग्रेस की बढ़ाएगा टेंशन ?

सीबीएआई अब उठाने जा रही है ये कदम

नई दिल्ली। बोफोर्स मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) निजी जासूस माइकल हर्शमैन से जानकारी मांगने के लिए जल्द ही अमेरिका को ज्यूडिशियल रिक्वेस्ट भेजेगी। ये जानकारी अधिकारियों ने दी है। हर्शमैन ने 1980 के दशक के 64 करोड़ रुपए के बोफोर्स रिश्वत कांड के बारे में भारतीय एजेंसियों के साथ जरूरी डिटेल शेयर करने की इच्छा व्यक्त की थी। केंद्रीय एजेंसी ने एक स्पेशल कोर्ट को भी घटनाक्रम के बारे में बताया है, जो मामले में आगे की जांच के लिए सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही है।

अधिकारियों ने बताया है कि लेटर्स रोगेटरी (एलआर) भेजने का काम इस साल अक्टूबर में शुरू कर दिया गया था और कथित रिश्वत मामले की आगे की जांच के लिए जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से अमेरिका को औपचारिक अनुरोध भेजे जाने से पहले लगभग 90 दिन लगने की उम्मीद है। लेटर रोगेटरी एक लिखित अनुरोध है जो एक देश की अदालत की ओर से किसी आपराधिक मामले की जांच या अभियोजन में सहायता हासिल करने के लिए दूसरे देश की कोर्ट को भेजा जाता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दोषमुक्त कर दिया था। इसके एक साल बाद कोर्ट राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले में हिंदुजा बंधुओं सहित शेष आरोपियों के खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया। इस मामले में कथित बिचौलिया इटेलियन बिजनसमैन ओटावियो क्वात्रोची को 2011 में एक कोर्ट ने बरी कर दिया था, जिसने सीबीआई को उसके खिलाफ केस वापस लेने की इजाजत दी थी।

इस मामले में 1980 के दशक में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दौरान स्वीडिश फर्म बोफोर्स के साथ एक सौदा हुआ था, जिसमें 400 हॉवित्जर की सप्लाई के लिए 1,437 करोड़ रुपए के डील में 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने के आरोप लगे थे। इन हॉवित्जर तोपों ने कारगिल युद्ध के दौरान भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. यह मामला 2011 में बंद कर दिया गया था।

वहीं, फेयरफैक्स ग्रुप के प्रमुख हर्शमैन 2017 में निजी जासूसों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे। अपने प्रवास के दौरान, वे तमाम मंचों पर दिखाई दिए, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि घोटाले की जांच कांग्रेस सरकार की ओर से पटरी से उतार दी गई थी और उन्होंने कहा कि वे सीबीआई के साथ डिटेल शेयर करने के लिए तैयार हैं। सीबीआई ने कई इंटरव्यू में उनके दावों पर ध्यान दिया और 2017 में घोषणा की कि मामले की उचित प्रक्रिया के अनुसार जांच की जाएगी।

सीबीआई ने 1990 में दर्ज किया था मामला

❑ केंद्रीय एजेंसी ने अब एलआर का रास्ता अपनाया है. इसके जरिए यूएस की कोर्ट भारत सरकार की मंजूरी के अधीन अमेरिका में संबंधित अधिकारियों को सूचना के लिए औपचारिक अनुरोध भेजेगी। ये मामला सीबीआई ने 1990 में मामला दर्ज किया था, तीन साल बाद जब एक स्वीडिश रेडियो चैनल ने आरोप लगाया था कि बोफोर्स ने सौदे को हासिल करने के लिए भारत के नेताओं और रक्षा अधिकारियों को रिश्वत दी थी।

मेक्सिको में अंधाधुंध गोलीबारी, 12 की मौत

मेक्सिको।

उत्तर-मध्य मेक्सिको में सड़क किनारे एक दुकान के पास बंदूकधारियों ने ग्राहकों और राहगीरों पर गोलियां बरसा दीं जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। गोलीबारी अपेसियो एल ग्रांडे शहर में हुई है। इस प्रांत में गिरोहों के बीच गोलीबारी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। फयरिंग की चपेट में आने से एक पुरुष और महिला घायल भी हुए हैं। घायलों की हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, गोलीबारी में एक स्वास्थ्यकर्मी की भी मौत हो गई है। हालांकि, मीडिया ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि स्वास्थ्यकर्मी हमले में मारे गए लोगों में से एक था या नहीं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दुकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल के बीच पुरुषों के शव देखे जा सकते हैं जिनके सिर पर चोट के निशान नजर आ रहे थे। बता दें कि, बीते माह नवंबर में मेक्सिको के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बंदूकधारियों ने एक बार में अंधाधुंध गोलियां बरसाईं थीं। फायरिंग की यह घटना तटीय प्रांत तबास्को में हुई थी। इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी और पंच अन्य घायल हुए थे। इतना ही नहीं, नवंबर महीने की शुरुआत में ही मिडिल मेक्सिको में एक बार में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी जिसमें 10 लोग मारे गए थे और 13 अन्य घायल हुए थे।

हिमाचल में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी

नई दिल्ली.

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। हिमाचल के रोहतांग, कुल्लू और लाहौल की ऊंच चोटियों बर्फबारी हो रही है। सैलानियों का जत्था सीजन की पहली बर्फबारी देखने के लिए पहाड़ों में पहुंच रहा है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हो रही है। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, कांगड़ा और मंडी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अगले तीन दिन तक हल्की बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने केरल के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। पड़ोसी राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी को भी सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है। आईएमडी के अनुसार, केरल के मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड और कन्नूर में सोमवार को भारी बारिश होने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में सुबह और रात में ठंड हो रही है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अभी कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही है। राज्य में कहीं भी भीषण कोहरा पड़ने का अलर्ट नहीं जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो-तीन दिन आसमान साफ रहेगा और दिन में धूप खिली रहेगी।

तमिलनाडु में बारिश ने 30 वर्ष के रिकॉर्ड तोड़ा

बारिश से तमिलनाडु में लैंडस्लाइड, बच्चे सहित 7 लोग मलबे में दबे

चेन्नई।

तमिलनाडु के पुडुचेरी ने अपने 30 सालों के इतिहास में पहली बार इतनी भारी बारिश देखी है। इस बारिश से तमिलनाडु में लैंडफॉल देखने को मिला। तिरुवन्नामलई जिले में रविवार देर शाम लैंडस्लाइड यानी भूस्खलन हुआ, जिसमें एक पहाड़ी की निचली ढलान पर स्थित इमारत चपेट में आ गई। इस लैंडस्लाइड में दो परिवारों के सात लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह भूस्खलन चक्रवात फेंगल के प्रभाव से जिले में हुई भारी बारिश के कारण हुआ। चूंकि इलाके में घरों के ऊपर एक बड़ी चट्टान है, जिला प्रशासन ने बचाव अभियान शुरू करने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों से मदद मांगी है। कलेक्टर के अनुसार, यदि बचाव अभियान सही तरीके से नहीं चला तो चट्टान के गिरने का खतरा बना हुआ है। घटनास्थल के पास कई अन्य घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मलबे में दबे हुए लोगों को रेस्क्यू करने में जुटी हुई है। चक्रवाती तूफान फेंगल ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में सबसे ज्यादा असर दिखाया है। मौसम विभाग की मानें तो मुसीबत अभी थमी नहीं है। आज भी तमिलनाडु में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बच्चों की सुरक्षा को लेकर दोनों राज्यों के कई जिलों में सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

कमजोर हुआ चक्रवात फेंगल

❑ पुडुचेरी के पास शनिवार को पहुंचा चक्रवात 'फेंगल' रविवार को कमजोर पड़ गया। हालांकि, इसके प्रभाव से केंद्र-शासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाली मूसलाधार बारिश की वजह से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बाढ़ग्रस्त सड़कों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को आगे आना पड़ा। लोगों ने बताया कि पुडुचेरी में पिछले तीन दशक में प्रकृति का ऐसा प्रकोप नहीं देखा गया था।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के जाने पर रोक

लखनऊ.

यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल संभल हिंसा में पीड़ित परिवारों से मिलने जाने वाला था. लेकिन अब नहीं जा पाएगा क्योंकि लखनऊ पुलिस ने नोटिस जारी कर हिंसा प्रभावित संभल का दौरा न करने को कहा है. जिले में धारा 163 बीएनएसएस लागू होने का जिक्र नोटिस में किया गया है. लखनऊ पुलिस ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को नोटिस जारी कर हिंसा प्रभावित संभल का दौरा न करने को कहा है. अजय राय को दिए गए नोटिस में उन्हें बताया गया है कि संभल जिले में शांति और सांप्रदायिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए वह जनहित में सहयोग करें और अपना प्रस्तावित कार्यक्रम स्थगित करें ताकि संभल जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित धारा 163 बीएनएसएस के आदेश का उल्लंघन न हो. इससे पहले सपा के प्रतिनिधिमंडल को भी संभल जाने से रोक दिया गया था. इसके बाद सपा ने वहां मृतक परिवारों को आर्थिक मुआवजा के तौर पर 5-5 लाख रुपये देने का ऐलान किया था. नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने शनिवार को कहा था कि हिंसा में मारे गए मृतकों के परिवारों को पार्टी पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी. उन्होंने सरकार से उन परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की भी मांग की है. सपा नेता ने कहा था कि अब संभल जाने का समय खत्म हो गया है. राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात करके हर हालत में हमारा प्रतिनिधिमंडल संभल जरूर जाएगा. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निर्णय लिया है कि जो जो गोली से मरे हैं, सपा अपनी तरफ से (उन्हें) पांच-पांच लाख रुपये देगी.

घरेलू विमानन के लिए सबसे अच्छा महीना रहा नवंबर

नई दिल्ली.

नवंबर 2024 भारत में घरेलू विमानन के लिए सबसे अच्छा महीना रहा है. नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर दैनिक यात्री संख्या से पता चलता है कि इस महीने 29 नवंबर, 2024 तक 91,728 उड़ानों में 1,40,23,778 यात्रियों ने यात्रा की.

यह दिसंबर 2023 के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देता है, जब 91,529 डोमेस्टिक डिपार्चर पर 1,37,97,352 यात्रियों ने उड़ान भरी थी. इस साल, मई 93551 डोमेस्टिक डिपार्चर पर 1,37,95,301 यात्रियों के साथ इस संख्या के करीब रहा. पिछले दोनों उच्चतम स्तर 31 दिनों वाले महीनों में थे, जबकि नवंबर में ये संख्या 30 दिनों में प्राप्त हुई थी, जो बहुत मजबूत मांग को दिखाता है. नियामक महीने के मध्य में लोड फैक्टर और ऑन-टाइम परफॉरमेंस के साथ महीने के लिए सारांश घोषित करेगा, जो डेटा को समेटता है और संख्याओं में मामूली बदलाव देख सकता है. ये संख्याएं दिसंबर 2023 के प्रतिदिन के औसत से 8.65 फीसदी अधिक हैं, जो कि पिछले उच्चतम स्तर है.

क्षमता बढ़ रही है

❍ अक्टूबर में प्रतिदिन औसतन 3,153 घरेलू उड़ानें देखी गईं, जबकि नवंबर में 3165 उड़ानें देखी गईं. यानी हर रोज केवल 12 उड़ानों की बढ़ोत्तरी हुई. क्षमता में धीमी वृद्धि इंडिगो की डिलीवरी और स्पाइसजेट के बंद होने का मिश्रण है, जिसमें अकासा, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कोई नया विमान नहीं जोड़ा.

यूट्यूब के खिलाफ नोटिस जारी

मुंबई।

दुनियाभर में इस्तेमाल किये जाने वाले गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के सामने मुश्किलों का पहाड़ टूट पड़ा है। दरअसल मुंबई की एक अदालत ने गूगल सीईओ को एक नोटिस जारी किया है। गूगल के वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेफॉर्म यूट्यूब के एक वीडियो पर कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने के चलते ये नोटिस जारी किया गया है। ध्यान फाउंडेशन और इसके संस्थापक योगी अश्विनी को निशाना बनाने वाले कथित रूप से अपमानजनक वीडियो को हटाने कोर्ट ने पहले भी नोटिस जारी किया था। यूट्यूब की तरफ से उसकी पालना नहीं हुई। जिसके चलते सुंदर पिचाई को ये नोटिस का सामना करना पड़ रहा है। ध्यान फाउंडेशन ने गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब के खिलाफ जो केस फाइल कर रखा है, इसकी अगली सुनवाई 3 जनवरी 2025 को होगी। वीडियो हटाने के आदेश के बावजूद 'पाखंडी बाबा की करतूत' वाले टाइटल से बना वीडियो भारत के बाहर दूसरे देशों में अभी भी देखा जा सकता है। इसको हटाने को लेकर कोर्ट की तरफ से पहले नोटिस जारी किया गया था लेकिन कोर्ट की बात की अवमानना करने पर कोर्ट ने सुंदर पिचाई के खिलाफ कदम उठाया।

एनजीओ ने किया दावा

❍ ध्यान फाउंडेशन ने अपनी याचिका में दावा किया कि गूगल के स्वामित्व वाली यूट्यूब ने जानबूझकर आपत्तिजनक वीडियो को हटाया नहीं है। इसके चलते एनजीओ और उसके संस्थापक की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है जबकि उनकी संस्था एनजीओ पशु कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने वाली संस्था है।

मुंबई कोर्ट ने गूगल सीईओ की बढ़ाई मुश्किलें

हरियाणा में 44 आईएएस अधिकारियों के हुए तबादले

नई दिल्ली। रियाणा में एक बार फिर बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। रविवार देर रात 44 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए है। प्रदेश में नई सरकार के गठन होने के बाद यह पहली बार बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। बीजेपी सरकार ने 44 आईएएस अधिकारियों के तबादलों का आदेश दिया है।

प्रदेश में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल में कुछ महत्वपूर्ण आईएएस अधिकारियों के तबादले पर नजर डाले तो आईएएस अनुराग रस्तोगी को सबसे अहम वित्त आयुक्त राजस्व (एफसीआर), वित्त विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग की कमान दी गई है। आईएएस सुमिता मिश्रा को गृह सचिव बनाया गया है। वहीं, गृह मंत्रालय खुद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने पास रखा है। आईएएस सुधीर राजपाल को स्वास्थ्य एवं एविएशन विभाग के साथ चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान और आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। आईएएस अनुराग रस्तोगी को सबसे अहम वित्त आयुक्त राजस्व (एफसीआर), वित्त विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग का जिमा। आईएएस सुमिता मिश्रा को गृह सचिव बनाया। आईएएस सुधीर राजपाल को स्वास्थ्य एवं एविएशन विभाग के साथ चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान और आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की बनाया।

क्यूबेक सिटी, कनाडा

❍ क्यूबेक की राजधानी में हर साल औसतन 124 इंच बर्फबारी होती है। हालाँकि आधिकारिक तौर पर इसे आर्द्र महाद्वीपीय जलवायु वाला माना जाता है, लेकिन क्यूबेक शहर में ठंड का मौसम कोई नई बात नहीं है, यहाँ सर्दियों में न्यूनतम तापमान -34 डिग्री फ़ारेनहाइट (-36 डिग्री सेल्सियस) के आसपास रहता है। आमतौर पर नवंबर की शुरुआत में बर्फ गिरना शुरू हो जाती है और अप्रैल के मध्य तक ज़मीन पर रहती है। क्यूबेक सिटी अपने सबसे ठंडे मौसम का जश्न क्यूबेक विंटर कार्निवल के साथ मनाता है, जो दो सप्ताह का एक शानदार आयोजन है जिसमें परेड, शीतकालीन खेल और बर्फ से मूर्ति बनाने की प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। बाकी के मौसम में, क्यूबेक सिटी शीतकालीन खेलों के शौकीनों के लिए पसंदीदा जगह बनी हुई है, जहाँ आइस-स्केटिंग, आइस-क्लाइम्बिंग और क्रॉस-कंट्री स्कीइंग के अवसर शहर के केंद्र से आसानी से पहुँच में हैं। स्टोनहैम माउंटेन रिज़ॉर्ट और मोंटे-सेंटे-ऐनी सहित कई स्की और स्नोबोर्ड रिसॉर्ट भी एक घंटे से भी कम की ड्राइव पर स्थित है, क्यूबेक सिटी अपने यूनेस्को-संरक्षित ओल्ड टाउन के लिए भी प्रसिद्ध है.

4 महीने के लिए नया जिला बना महाकुंभ मेला

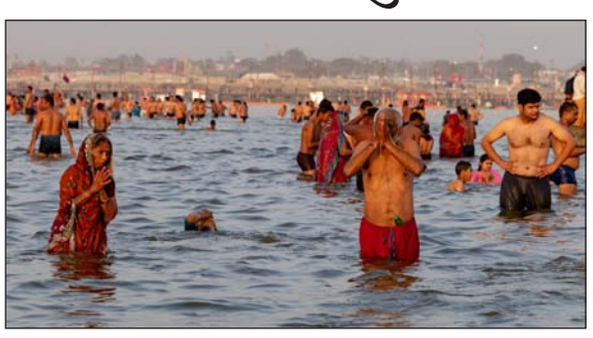

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने एक नये जनपद का गठन किया है। इस जिले का नाम है महाकुंभ मेला। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारियां तेजी से चल रही है। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो। इसके लिए योगी सरकार हर व्यवस्था सुनिश्चित करा रही है। महाकुंभ में प्रशासनिक कार्यो को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए यूपी की योगी सरकार ने एक अस्थायी जनपद का गठन किया है। इस जनपद का अस्तित्व केवल चार माह के लिए ही होगा। नये जनपद महाकुंभ मेला में चार तहसील क्षेत्रों के 67 गांवों को जोड़ा गया है। इस अस्थायी जनपद में उसी तरह प्रशासन कार्य किये जायेंगे। जिस तरह सामान्य जनपदों में होते हैं। कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए नए जनपद में अस्थायी रूप से पुलिस थाने और चौकियां भी बनायी जाएंगी।

प्रयागराज में महाकुंभ मेला अस्थायी जनपद घोषित कर दिया गया है। इस जनपद का अस्तित्व महाकुंभ के सकुशल अंततक ही रहेगा। उसके बाद इस जनपद का वर्चस्व स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। प्रयागराज के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने महाकुंभ मेला जनपद के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी है। जारी अधिसूचना में यह बताया गया है कि इस जनपद में भी संपूर्ण जिलों की ही तरह कार्य होगा। यहां भी जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक समेत सभी विभागों के पद सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में साल 2025 में महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा। महाकुंभ में कुल छह शाही स्नान होंगे।

सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने में जुटे कई देश

इसरो निभाएगा अहम भूमिका, 4 को पीएसएलवी से लॉन्चिंग

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर इतिहास रचने की तैयारी में है। मौका होगा सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने को तैयार मिशन प्रोबा-3 को लॉन्च करने का। इस अभियान में कई देशों के वैज्ञानिक शामिल हैं और उनके मिशन को लक्ष्य तक पहुंचाने का सारा दारोमदार इसरो के सबसे भरोसेमंद पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल यानी पीएसएलवी पर टिका है। इसरो की तरफ से रविवार को बताया कि गया कि यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को 4 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस पोर्ट से लॉन्च किया जाएगा। प्रोबा-3 की लॉन्चिंग इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के सहयोग से होने वाली है। इसे बुधवार को शाम चार बजकर आठ मिनट पर छोड़ा जाएगा। इसके साथ ही इसरो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस मिशन के जरिये 550 किलोग्राम वजनी उपग्रहों को एक अद्वितीय अत्यधिक अंडाकार कक्षा में स्थापित किया जाना जो किसी जटिल कक्षा में सटीक लॉन्चिंग की पीएसएलवी की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा। यूरोपीय एजेंसी को अपने इस मिशन के तहत सूर्य के वायुमंडल की सबसे बाहरी और सबसे गर्म परत, सौर कोरोना का अध्ययन करना है। प्रोबा-3 मिशन में लॉन्च सैटेलाइट कृत्रिम सूर्यग्रहण की स्थितियां बनाएंगे ताकि सूर्य की बाहरी परत यानी कोरोना का अध्ययन किया जा सके।

इन जुड़वां सैटेलाइट में से एक पर कोरोनाग्राफ होगा जबकि दूसरे पर ऑल्टर होगा। इनमें एक सैटेलाइट सूर्य को छिपाएगी जबकि दूसरी के सहारे कोरोना का निरीक्षण किया जाएगा।

दो साल चलने वाला मिशन बेहद खास

❑ प्रोबा-3 मिशन स्पेन, पोलैंड, बेल्जियम, इटली, और स्विट्जरलैंड के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। दो साल तक चलने वाला यह मिशन इस वजह से भी खास है क्योंकि इसमें एक साथ दो सैटेलाइट लॉन्च किए जाने हैं। इन सैटेलाइट का सटीक ढंग से अपनी जगह पर पहुंचना बेहद अहम हैं क्योंकि अभियान की सफलता के लिए इनका एक-दूसरे के साथ तालमेल बेहद अहम है।